शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 26 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 23 अगस्त, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

शांति बहाली के लिए भारत हर संभव सहयोग को तैयार पेज 2
बहिरागत शब्द को लेकर आपत्ति है : पीयूष हजारिका पेज 3
किसानों की जमीन हड़पकर दामाद को खुश करने में लगे रहते थे हुड्डा : नायब सैनी पेज 5
यूटीटी 2024 : बेंगलुरू स्मैशर्स ने अल्वारो रॉबल्स को कप्तान नियुक्त किया पेज 7

राज्य में काजी नहीं सरकार करेगी निकाह का रजिस्ट्रेशन

विधानसभा में विधेयक पेश

गुवाहाटी। असम सरकार ने गुरुवार को मुसलमानों के निकाह और तलाक के पंजीकरण संबंधी कानून को निरस्त करने के लिए विधानसभा में एक विधेयक पेश किया। इसमें कहा गया कि मौजूदा अधिनियम में समुदाय के नाबालिगों के विवाह की अनुमति देने की गुंजाइश है। राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री जोगेन मोहन ने असम मुस्लिम निकाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम, 1935 और असम निरसन अध्यादेश 2024 को समाप्त करने के लिए असम निरसन विधेयक, 2024 विधानसभा में पेश किया। उन्होंने निरसन विधेयक पेश करने के उद्देश्य और कारण पर प्रकाश डालते हुए कहा, (पुरुष के मामले में) 21 वर्ष से कम आयु वाले और (महिला के मामले में) 18 वर्ष से कम आयु वाले इच्छुक व्यक्तियों के निकाह को पंजीकृत करने की गुंजाइश होती है। मोहन ने कहा कि पूर्व कानून में पूरे राज्य में अधिनियम के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए कोई प्रावधान नहीं था और इसके कारण अदालत में भारी संख्या में मुकदमेबाजी हुई। उन्होंने कहा कि अधिकृत लाइसेंसधारियों (मुस्लिम निकाह रजिस्ट्रार) के साथ-साथ नागरिकों द्वारा भी कम उम्र/नाबालिगों के बच्चे-बच्चियों के निकाह कराने और पक्षों की सहमति के बिना जबरन निकाह कराने के लिए इसका दुरुपयोग करने की गुंजाइश है। मंत्री ने कहा कि इसके अलावा, निकाह और तलाक का पंजीकरण अनिवार्य नहीं किया गया है तथा पंजीकरण तंत्र अनौपचारिक है, जिससे मानदंडों के गैर-अनुपालन की काफी गुंजाइश बनी रहती है। उन्होंने कहा कि यह स्वतंत्रता-पूर्व ब्रिटिश भारत सरकार द्वारा तत्कालीन असम प्रांत में मुस्लिम धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था के लिए बनाया गया अधिनियम है। सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा था कि असम सरकार मुसलमानों के निकाह और तलाक के सरकार के समक्ष अनिवार्य पंजीकरण के लिए इसी सत्र में एक विधेयक पेश करेगी। शर्मा ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कहा था कि सरकार आगामी सत्र के दौरान असम मुस्लिम निकाह अनिवार्य पंजीकरण और तलाक विधेयक, 2024 पेश करेगी। राज्य मंत्रिमंडल ने पिछले महीने असम मुस्लिम निकाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम और 1935 के नियमों को निरस्त करने के लिए उस विधेयक को मंजूरी दी थी, जिसके तहत विशेष परिस्थितियों में कम उम्र में निकाह की अनुमति मिलती थी। मंत्रिमंडल ने राज्य में बाल विवाह की सामाजिक बुराई को समाप्त करने के लिए 23 फरवरी को इस अधिनियम को निरस्त करने के निर्णय को मंजूरी दी थी। विपक्षी दलों ने इस निर्णय की निंदा करते हुए इसे चुनावी वर्ष में मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने के लिए लाया गया और *मुसलमानों के प्रति भेदभावपूर्ण* करार दिया था।

आठ लाख चाय श्रमिकों को आर्थिक सहायता देगी सरकार : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि राज्य के चाय बागान इलाकों में रहने वाले आठ लाख चाय बागान श्रमिकों को सरकार आर्थिक सहायता देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सहायता लगातार तीन वर्षों तक दी जाएगी। इसके लिए वित्त मंत्री द्वारा आगामी बजट अधिवेशन के दौरान बजट में प्रस्ताव लाया जाएगा। मुख्यमंत्री आज असम विधानसभा के शरदकालीन सत्र के पहले दिन विधायक रूपेश ग्वाला के चाय जनजाति से संबंधित पूरक प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार चाय जनजाति के कल्याण के लिए एक से बढ़कर एक योजनाएं लाती रही है। असम के इतिहास में पहली बार चाय जनजातियों तथा अन्य जनजातियों को सरकारी नियुक्तियों के सिलसिले में तीन फीसदी विशेष आरक्षण देने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि चाय बागान इलाकों में असम सरकार द्वारा इस दौरान 100 असमिया माध्यम के -शेष पृष्ठ दो पर

दो भूमि विधेयकों को लेकर विपक्ष का सदन से बहिर्गमन

गुवाहाटी। असम सरकार द्वारा दो भूमि संशोधन विधेयक पेश किए जाने के विरोध में विपक्ष ने गुरुवार को विधानसभा से बहिर्गमन किया। विपक्ष ने आरोप लगाया कि दोनों विधेयक संविधान के मूल सिद्धांतों के खिलाफ हैं। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जोगेन मोहन ने जब असम (अस्थायी बंदोबस्त क्षेत्र) काश्तकारी (संशोधन) विधेयक, 2024 और असम भूमि एवं राजस्व विनियमन (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया तो पूरे विपक्ष ने इसका कड़ा विरोध किया। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के विधायक रफीकुल इस्लाम -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में 43 साल में 47,900 विदेशी पाए गए, जिसमें 43 फीसदी हिंदू है : सीएम

गुवाहाटी। असम सरकार ने गुरुवार को कहा कि 1971 से 2014 तक राज्य में 47,900 से अधिक विदेशियों का पता चला है, जिनमें से 43 प्रतिशत से अधिक हिंदू हैं। अगप विधायक पोनाकन बरुआ के प्रश्न के लिखित उत्तर में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि विदेशी न्यायाधिकरण (एफटी) ने 1971 से 2014 के बीच 47,928 लोगों को विदेशी घोषित किया है। उन्होंने बताया कि इनमें से 27,309 मुस्लिम, 20,613 हिंदू और छह अन्य धर्मों के थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कछार में सबसे ज्यादा विदेशी पाए गए। 10,152 घोषित विदेशियों में से 8,139 हिंदू थे और बाकी 2,013 मुसलमान थे। असम समझौते के अनुसार, 25 मार्च, 1971 को या उसके बाद राज्य में आने वाले सभी विदेशियों के नाम का पता लगाया जाएगा और उन्हें मतदाता सूची से हटा दिया जाएगा तथा उन्हें निर्वासित करने के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

दुर्बल के साथ संधि न करें।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

एससी के आदेश के बाद डॉक्टरों की हड़ताल खत्म

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज कोलकाता रेप-मर्डर केस मामले पर सुनवाई की। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने डॉक्टरों के हड़ताल वापस लेने का आग्रह किया। साथ ही सरकार को भी डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर निर्देश दिया। अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन ने हड़ताल वापस ले ली है। भारत के मुख्य न्यायाधीश के सकारात्मक निर्देशों के बाद -शेष पृष्ठ दो पर

लेह : गहरी खाई में गिरी बस, छह की मौत

लेह (हि.स.)। लद्दाख के लेह जिले में गुरुवार को एक बस सड़क से फिसलकर 200 फीट गहरी खाई में गिर जाने से छह लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हो गए। लेह के डिप्टी कमिश्नर संतोष सुखादेव ने बताया कि निजी बस एक स्कूल के कर्मचारियों को शादी समारोह में ले जा रही थी। दुरबुक इलाके में अचानक चालक के नियंत्रण -शेष पृष्ठ दो पर

डीजीपी ने लोगों से कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की

गुवाहाटी। असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने गुरुवार को सभी हितधारकों से राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने का अनुरोध किया, जबकि अधिकारियों को कानून तोड़ने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए गए। यह घटनाक्रम हाल ही में हुई एक घटना के मद्देनजर हुआ है जिसमें मारवाड़ी नेताओं के एक समूह ने शिवसागर जिले में समुदाय के एक सदस्य द्वारा एक किशोरी पर हमला करने के बाद सार्वजनिक रूप से माफी मांगी थी। डीजीपी ने *एक्स* पर पोस्ट किया कि कानून का सख्ती से पालन करने के लिए @assampolice की प्रतिबद्धता दोहराते हुए, मैं सभी हितधारकों से राज्य में कानून -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा में भूस्खलन और बाढ़ से हाहाकार, दस की मौत

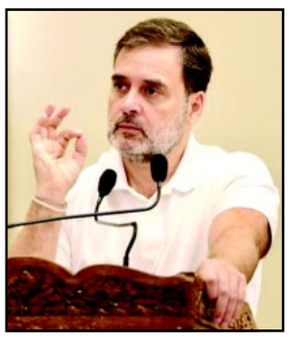

अगरतला। त्रिपुरा में भारी बारिश के चलते बाढ़ और भूस्खलन से हाहाकार मचा है। इसके चलते राज्य में 10 लोगों की मौत हो गई। जबकि एक युवक लापता हो गया। बाढ़ और भूस्खलन को देखते हुए बचाव अभियान शुरू कर दिया गया। इसके चलते अब तक 32,750 लोगों के 330 राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। एनडीआरएफ की चार टीमें बचाव अभियान में राज्य की सहायता कर रही हैं। वहीं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने त्रिपुरा के सीएम से बात करके हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। वहीं राज्य सरकार ने अगले आदेश तक सभी स्कूल बंद करने का एलान किया है। राज्य सरकार के मुताबिक रविवार से हो रही भारी बारिश के चलते राज्य की सभी बड़ी नदियों में जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया। इससे कई इलाकों में बाढ़ आ गई। करीब 1900 जगहों पर भूस्खलन के चलते सड़क मार्ग बाधित हो गया। जगह-जगह जलभराव और बाढ़ से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सरकार ने पश्चिम त्रिपुरा और सिपाहीजला जिले में भारी बारिश को देखते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, असम राइफल्स समेत केंद्रीय अर्धसैनिक बल प्रभावित क्षेत्रों में बचाव और राहत अभियान में जुटे हैं। सरकार ने भारी बारिश को देखते हुए लोगों को बाहर न निकलने और सतर्कता बरतने के लिए भी कहा है। बाढ़ के चलते 32,750 लोगों के 330 राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। बचाव अभियान में लगीं टीमें लगातार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में लगी हुई हैं। लोगों की मदद की जा रही है। उन्हें हर संभव सहायता मुहैया कराई जा -शेष पृष्ठ दो पर

जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करना हमारी प्राथमिकता : राहुल

श्रीनगर (हि.स.)। कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी और विपक्षी गठबंधन (इंडिया) जल्द से जल्द जम्मू-कश्मीर में पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है। श्रीनगर में पत्रकारों के साथ बातचीत में राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और सहयोगी दलों की प्राथमिकता है कि जल्द से जल्द जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज्य में विधानसभा चुनाव से पहले पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने की उम्मीद कर रही थी लेकिन चुनावों की घोषणा कर दी गई, जो एक कदम आगे है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि लोकतंत्र बहाल होगा। उन्होंने दोहराया कि आजादी के बाद पहली बार किसी पूर्ण राज्य को केंद्र शासित प्रदेश में बदला गया है। राहुल गांधी ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

कोलकाता मामले में सेक्स वर्करों ने भी जताया विरोध, कहा-

नहीं देंगे दुर्गा प्रतिमा बनाने के लिए अपने आंगन की मिट्टी

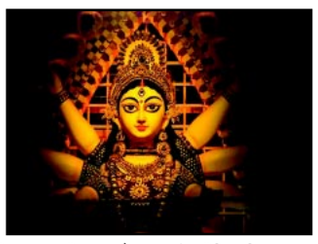

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित सोनागाछी की सेक्स वर्करों ने इस साल दुर्गा पूजा की प्रतिमाओं के लिए अपने आंगन की पवित्र मिट्टी देने से इनकार कर दिया है। यह रुख उन्होंने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक जूनियर डॉक्टर के दुष्कर्म एवं हत्या के विरोध में अख्तियार किया है। प्रदेश में देवी दुर्गा की प्रतिमाएं बनाने के लिए परंपरागत रूप से वेश्यालय की मिट्टी का उपयोग किया जाता है। इस मिट्टी को पवित्र माना जाता है। राज्य के सेक्स वर्करों की एक प्रमुख संस्था दुर्बार महिला समन्वय समिति की एक पदाधिकारी ने कहा कि इस साल हम दुष्कर्म एवं हत्या के विरोध में अपने आंगन की मिट्टी नहीं दे रहे हैं। अक्सर दुष्कर्म पीड़ितों को न्याय नहीं मिलता। अब समय आ गया है कि हम इस मामले में अपनी -शेष पृष्ठ दो पर

अलकायदा के 14 आतंकी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आज आतंकियों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की है। पुलिस की टीम ने राजस्थान और यूपी एसटीएफ के सहयोग से अलग-अलग जगहों से अलकायदा के 14 आतंकी गिरफ्तार किए। आतंकियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया। पुलिस ने राजस्थान के भिवाड़ी से छह आतंकी और झारखंड और यूपी से आठ यानी कुल 14 आतंकियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि अलकायदा मॉड्यूल से जुड़े 14 संदिग्धों -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम के कथित ऑडियो को लेकर घमासान, विधायकों ने मांगा इसतीफा

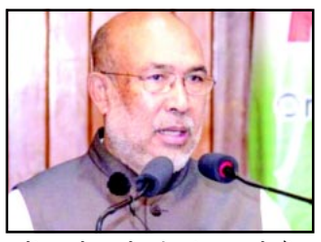

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह की आवाज में सोशल मीडिया पर पिछले कुछ दिन से वायरल हो रहे एक ऑडियो को लेकर राज्य में घमासान मचा है। इस ऑडियो को लेकर भाजपा के ही कुछ नेता बीरेन सिंह पर निशाना साध रहे हैं और उन्हें पद से हटाने की मांग कर रहे हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री पहले ही इस टेप को झूठा होने का दावा कर चुके हैं। दरअसल, इस ऑडियो में मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह की आवाज में कूकी समुदाय के लोगों के विरुद्ध कुछ बातें करते हुए सुना गया है। इससे कूकी संप्रदाय के लोगों को मुख्यमंत्री पर निशाना साधने का मौका मिल गया है। इसी बहाने भाजपा के -शेष पृष्ठ दो पर

अफ्रीका में तबाही के बाद एशिया पहुंचा घातक मंकीपॉक्स, दुनिया में बढ़ी टेंशन

बैंकॉक। थाईलैंड में इस सप्ताह पाया गया एमपॉक्स का मामला क्लैड 1बी स्ट्रेन था। उसने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। इसके बाद अफ्रीका के बाहर खतरनाक वेरिएंट पाए जाने का यह दूसरा मामला है। यह केस एक 66 वर्षीय यूरोपीय व्यक्ति का है, जो पिछले सप्ताह एक अफ्रीकी देश से थाईलैंड आया था। गौरतलब है कि अफ्रीका में यह बीमारी पहले ही बुरी तरह से फैल चुकी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक थाईलैंड रोग नियंत्रण विभाग के महानिदेशक थोंगचाई कीरातिहट्टायाकोर्न ने कहा कि परीक्षण के नतीजे पुष्टि करते हैं कि वह मंकीपॉक्स के क्लैड 1बी स्ट्रेन से संक्रमित है, जो थाईलैंड में पाया गया पहला मामला है, लेकिन यह व्यक्ति संभवतः एक प्रभावित देश से संक्रमित हुआ है। उन्होंने एजेंसी से कहा कि संपर्क ट्रेसिंग के माध्यम से किसी अन्य स्थानीय संक्रमण का पता नहीं चला है। क्लैड 1बी ने वैश्विक चिंता पैदा कर दी है, क्योंकि यह आसानी से नियमित निकट संपर्क के माध्यम से फैलता है। पिछले सप्ताह स्वीडन में इस वैरिएंट के एक मामले की पुष्टि की गई थी और इसे अफ्रीका में बढ़ते प्रकोप से जोड़ा गया था, जो महाद्वीप के बाहर इसके फैलने का पहला संकेत था। नए वैरिएंट की पहचान होने के बाद विश्व स्वास्थ्य -शेष पृष्ठ दो पर

कुमारस्वामी के खिलाफ मुकदमा चलवाने की तैयारी में कांग्रेस

बंगलूरू। कर्नाटक सरकार ने केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी और भाजपा के तीन पूर्व मंत्रियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत को *सलाह* देने का फैसला किया है। इनमें खनन कारोबारी जी. जनार्दन रेड्डी भी शामिल हैं। यह फैसला तब लिया गया है, जब राज्यपाल ने 16 अगस्त को मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूमि आवंटन मामले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी। कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एच.के.पाटिल ने बताया कि मंत्रिमंडल ने संविधान के अनुच्छेद 163 के तहत राज्यपाल को सलाह देने का फैसला लिया है, ताकि लंबित मामलों का जल्दी निपटारा किया जा सके और न्यायिक प्रक्रिया सुगम हो सके। उन्होंने कहा कि हमने राज्यपाल को सलाह देने की मंजूरी दे दी है। यह सलाह जल्द ही राज्यपाल को भेजी जाएगी। पाटिल ने आगे यह भी बताया कि जिन मामलों के लिए सलाह को मंजूरी दी गई है, उनमें से दो में (जनार्दन रेड्डी और एचडी कुमारस्वामी) आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है। उनसे जब पूछा गया कि क्या राज्यपाल मंत्रिमंडल की सलाह -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

पीएम मोदी ने यूक्रेन यात्रा से पहले कहा–

शांति बहाली के लिए भारत हर संभव सहयोग को तैयार

नई दिल्ली। यूक्रेन की अपनी यात्रा से एक दिन पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत का दृढ़ता से मानना है कि किसी भी संघर्ष का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं निकाला जा सकता और वह क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता बहाल करने के लिए हर संभव सहयोग देने को तैयार है। मोदी ने पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ व्यापक वार्ता करने के बाद यह बात कही। बैठक में, दोनों नेताओं ने भारत-पोलैंड संबंधों को रणनीतिक साझेदारी में तब्दील करने का निर्णय लिया। दो देशों की यात्रा के दूसरे चरण में, मोदी करीब सात घंटे के लिए कीव में होंगे। वह यूक्रेन की राजधानी के लिए आज शाम एक ट्रेन से रवाना होंगे और इस यात्रा की अवधि करीब 10 घंटे की होगी। मोदी ने टस्क के साथ बातचीत के बाद अपने प्रेस वक्तव्य में कहा कि यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष हम सभी के लिए गहरी चिंता का विषय है। भारत का

दृढ़ता से मानना है कि युद्ध के मैदान में किसी भी समस्या का समाधान नहीं ढूंढा जा सकता। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि किसी भी संकट में निर्दोष लोगों की जान जाना समूची मानवता के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। हम शांति एवं स्थिरता शीघ्र बहाल करने के लिए वार्ता और कूटनीति का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए भारत, अपने मित्र देशों के साथ हर संभव सहायता देने को तैयार है। मोदी बुधवार को वारसॉ पहुंचे, जो करीब आधी सदी में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पोलैंड की पहली यात्रा है। उन्होंने कहा कि आज का दिन भारत और पोलैंड के बीच संबंधों के लिए विशेष महत्व का है। 45 साल बाद, आज कोई भारतीय प्रधानमंत्री पोलैंड आया है। मोदी ने कहा कि इस साल हम अपने राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इस अवसर पर, हमने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी में तब्दील करने का निर्णय लिया। मोदी ने कहा कि भारत और पोलैंड अंतर्राष्ट्रीय मंच पर एक-दूसरे के साथ सहयोग करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश इस बात पर सहमत हैं कि वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं में सुधार वक्त की दरकार है।

सख्त बलात्कार विरोधी कानून बनाने की मांग को लेकर सीएम ममता ने पीएम को लिखा पत्र

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर बलात्कार की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए कानून बनाने की मांग की है। यह 31 साल की उम्र के एसोसिएट प्रोफेसर की शव मीटिंग के कुछ हफ्ते बाद आई थी, जिसमें 9 अगस्त को कोलकाता के सरकारी आरजी कर अस्पताल के एक दर्शन हॉल के अंदर कथित तौर पर बलात्कार किया गया था और उसकी हत्या कर दी गई थी। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के मुख्य सलाहकार अलपन बंद्योपाध्याय ने कहा कि पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने पीएम मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने लिखा है कि आदरणीय प्रधानमंत्री, मैं आपके ध्यान में बलात्कार की नियमित और बढ़ती घटनाओं की ओर लाना चाहता हूं। पूरे देश में मामले सामने आते हैं और कई मामलों में हत्या के साथ बलात्कार भी होते हैं, यह देखना भयावह है कि पूरे देश में प्रतिदिन लगभग 90 बलात्कार के मामले सामने आते हैं जो समाज और राष्ट्र के आत्मविश्वास और विवेक को झकझोर देते हैं इसे समाप्त करना हम सभी का परम कर्तव्य है ताकि महिलाएं सुरक्षित महसूस करें, ऐसे गंभीर और संवेदनशील मुद्दे को ऐसे नृशंस अपराधों में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ अनुकरणीय दंड का प्रावधान करने वाले कड़े केंद्रीय कानून के माध्यम से व्यापक तरीके से संबोधित करने की आवश्यकता है।

बांग्लादेश में बाढ़ ने मचाई तबाही, भारत पर मढ़ा आरोप

ढाका। बांग्लादेश वर्तमान में हिंसक प्रदर्शनों से हुई बर्बादी के बाद अब बाढ़ के गंभीर संकट का सामना कर रहा है। यहां लगातार बारिश के बाद भू स्खलन और डूबने की अलग-अलग घटनाओं में एक ही परिवार के तीन सदस्यों सहित कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने कहा कि राज्य की अधिकतर प्रमुख नदियां गंभीर स्तर से ऊपर बह रही हैं, जबकि मुख्य नदी गोमती *अत्यधिक खतरे के स्तर* को पार कर गई है। हालांकि बांग्लादेश की नई सरकार ने बाढ़ की वजह का आरोप भारत पर मढ़ दिया है। बांग्लादेश का आरोप है कि भारत ने बांध का पानी छोड़ा है जिस कारण पूर्वी सीमा पर जिलों में बाढ़ की स्थिति पैदा हुई। वहीं भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस आरोप को सिरे से खारिज कर दिया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि त्रिपुरा में गुमटी नदी के ऊपर स्थित डंबूर बांध के खुलने से बांग्लादेश की पूर्वी सीमा पर बाढ़ की स्थिति उत्पन्न नहीं हुई है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि गुमटी नदी के जलग्रहण क्षेत्रों में हाल ही में इस साल की सबसे भारी बारिश हुई है, जो बाढ़ का मुख्य कारण है।

काजीरंगा में वयस्क हाथी की मौत

गोलाघाट (हिंस)। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के अगरातली वन क्षेत्र में रॉयल बंगाल टाइगर के हमले में एक वयस्क हाथी की मौत हो गयी। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के सूत्रों ने आज बताया कि उद्यान के आरीसुती वन शिविर के पास रॉयल बंगाल टाइगर ने वयस्क हाथी पर हमला कर उसकी हत्या करने के बाद हाथी के सूंड़ को खा गया।

केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कई कार्यक्रमों में लिया हिस्सा

गुवाहाटी (हिंस)। केंद्रीय सड़क परिवहन, राजमार्ग और कॉरपोरेट मामलों के मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने आज असम में कई कार्यक्रमों में भाग लिया। ज्ञात हो कि मंत्री बुधवार को गुवाहाटी होते हुए पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिले में पहुंचे। उन्होंने जिले के हामरेन आवर्त भवन में रात बिताई। आज उन्होंने कई कार्यक्रमों में भाग लिया। मंत्री आज सुबह हामरेन सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहुंचे और छात्रों से बातचीत की। बाद में, मंत्री ने हामरेन के रेंगबंहम सभागार में जिला प्रशासन के प्रमुखों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मंत्री ने स्थानीय किसानों, स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों के साथ-साथ स्थानीय निवासियों के साथ बातचीत की। उन्होंने सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। मंत्री ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूर्वोत्तर के प्रत्येक पिछड़े जिले का समग्र विकास करने के लिए किए गए उपायों को ध्यान में रखते हुए आज का दौरा पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिले में किया गया है।

आयुष्मान योजना का बीमा कवर बढ़ाने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार आने वाले दिनों में आयुष्मान भारत योजना के तहत बीमा कवर के दायरे को बढ़ा सकती है। माना जा रहा है कि बीमा कवर का दायरा सामान्य परिस्थितियों में 10 लाख रुपए तक और विशिष्ट परिस्थितियों में 15 लाख रुपए तक बढ़ाया जा सकता है। फिलहाल आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख रुपए का बीमा कवर दिया जाता है। इस संबंध में ग्रुप ऑफ सेक्रेट्रीज ने अपनी प्राथमिक रिपोर्ट तैयार कर ली है, जिसे जल्दी ही कैबिनेट सेक्रेट्री के सामने पेश किया जाएगा। केंद्र सरकार की योजना अगले 5 साल में आयुष्मान भारत के लाभार्थियों की संख्या को 100 करोड़ तक पहुंचाने की है। फिलहाल इस योजना के लाभार्थियों (आयुष्मान कार्ड बनवाने वाले) की संख्या 55 करोड़ के करीब बताई जा रही है। हालांकि, अस्पताल में भर्ती होकर इलाज कराने वालों की संख्या 30 जून तक 7.37 करोड़ ही थी। अस्पताल में इलाज कराने वाले लाभार्थियों में महिलाओं की हिस्सेदारी 48 प्रतिशत की रही है। ग्रुप ऑफ सेक्रेट्रीज की रिपोर्ट में आयुष्मान भारत योजना के बीमा कवर के दायरे को बढ़ाने का प्रस्ताव शामिल करते हुए कहा गया है कि इलाज के बढ़ते खर्च को देखते हुए सामान्य परिस्थितियों में बीमा कवर के दायरे को 5 लाख रुपए से बढ़ा कर 10 लाख रुपए किया जाना चाहिए। इसी तरह महिलाओं के लिए या विशिष्ट परिस्थितियों में गंभीर इलाज वाले मरीजों के लिए बीमा कवर 15 लाख रुपए तक किया जाना चाहिए। इसके साथ ही निजी अस्पतालों में आयुष्मान योजना के लिए बेड्स की संख्या को बढ़ाए जाने का भी प्रस्ताव किया गया है। इस प्रस्ताव के तहत निजी अस्पतालों में आयुष्मान योजना के तहत बेड्स की संख्या में अतिरिक्त 4 लाख बेड की बढ़ोतरी करने की बात कही गई है।

मुस्लिम संगठनों के जिम्मेदारों ने वक्फ संशोधन विधेयक को पूरी तरह से खारिज किया

नई दिल्ली (हि.स.)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्डऔर जमीअत उलमा-ए-हिंद ने कांस्टीट्यूशन क्लब में एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर अन्य मुस्लिम संगठनों के जिम्मेदारों की मौजूदगी में संसद में पेश वक्फ संशोधन विधेयक को पूरी तरह से खारिज करने की घोषणा की है। सरकार पर इस विधेयक को वापस लेने का दबाव बनाने के लिए मुस्लिम संगठनों ने संविधान में प्राप्त विरोध-प्रदर्शन के अधिकार का इस्तेमाल करने की भी घोषणा की है। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष खालिद सैफुल्लाह रहमानी नेकहा कि वह वक्फ संशोधन विधेयक 2024 सरकार की वक्फ संपत्तियों के प्रतिगलत नीयत को उजागर करता है। इस विधेयक को लाकर सरकार वक्फ संपत्तियों पर कब्जा करना चाहती है। उनका कहना है कि मुसलमानों को वक्फ संशोधन विधेयक 2024 किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। वह इसके विरोध के लिए हरस्तर तक जाने को तैयार हैं। उन्होंने कहा किविधेयक को लेकर के जो संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया गया है, अगर उसमें हमें बुलाया गया और हमारी बातों को सुना गया और उसमें से हमारी आपत्तियों को हटाया गया तब कोई बात बन सकती है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा किपिछले 10 सालों से जो सरकार हमारे देश चल रही है, उसने मुसलमान के लिए अपने दरवाजे बंद कर रखे हैं। जब कोई सरकार या व्यक्ति अपने दरवाजे बंद करके रखता है तो वहां परबातचीत का कोई औचित्य नहीं बनता है। पिछली सरकार में हमने कई बार संपर्क करने की कोशिश की थी लेकिन हमें कामियाबी नहीं मिली। इस सरकार ने मुसलमान को अलग कर रखा है। उनका कहना है कि वक्फ संशोधन विधेयक 2024 जब तैयार किया गयातब इससे संबंधित किसी भी व्यक्ति या संगठन से कोई सलाह-मशविरा नहीं किया गया। उनका कहना है किजब किसी व्यक्ति या समुदाय के लिए सरकार कोईकार्य करती है तो उससे संबंधित लोगों से बातचीत करके इसकी रूपरेखा बनाई जाती है लेकिन वक्फ संशोधन विधेयक संसद में पेश कर दिया गया और इससे संबंधित मुसलमानों सेना तो कोई राय ली गई और ना ही बातचीत की गई। इससे स्पष्ट है कि सरकार की मंशावक्फ संपत्तियों को लेकर क्या है। उन्होंने साफ़ तौर से कहा कि सरकार में शामिल घटक दलों के नेताओं से मुलाकातों हुई है जिसमें चंद्र बाबू नायडू और नितीश कुमार शामिल हैं। इसके अलावा कई विपक्षी दलों के नेताओं से भी मुलाकात हुई है और सभी ने हमारी बातों को सुना है।

CONSULTATION WITH APOLLO EXPERTS
Apollo HOSPITALS
CARDIOTHORACIC VASCULAR SURGEON
DR AJAY NARASIMHAN
MBBS, MCh, MS
Visiting GUWAHATI on 30th August'2024
Patients suffering from lung cancer,tuberculosis,bronchiectasis, aspergilloma homopysis coughing blood mediastinal mass, thymoma, cough, cough with sputum, coughing blood, dry cough, breathlesness, noisy breathing lump in the chest ect can register their names in advance at:
APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane -10
Ph :8404037649, 03613102669, 0361-3102166

APOLLO HOSPITALS CHENNAI
Apollo HOSPITALS
PULMONOLOGIST & RESPIRATORY MEDICINE
DR. A.R. Gayathri Devi
MD,FCCP(USA)., FRCP(Glas),European Diploma in Respiratory Medicine
Will be available only for consultation at Guwahati
ON 28th August'2024
Patients with dust Allergy, Cough/Cold, Phelgm/Wheezing, Shortness of Breath/ Chest Pain, Lung infections/Water or pus in the Lungs, TB/Pneumonia, Sleep disorders, Breathing problems etc can register in advance
APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane -10
Ph :8404037649, 03613102669, 0361-3102166

पृष्ठ एक का शेष

आठ लाख चाय ...

स्कूल खोले गए हैं। इन स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति से उत्साहित होकर सरकार और 100 स्कूल चाय बागान इलाकों में खोलने की योजना पर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चाय जनजाति बहुल क्षेत्रों में 10 नए डिग्री कॉलेज खोले जाएंगे, ताकि चाय जनजाति के छात्रों को उच्च शिक्षा की सुविधा प्राप्त हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवंबर माह में गुवाहाटी में एक साथ आठ हजार नर्तक-नर्तकियों का सामूहिक झूमर नृत्य का प्रदर्शन किया जाएगा। यह कार्यक्रम झूमर को राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय बनाने के लिए आयोजित किया जाएगा। वहीं, मुख्यमंत्री ने कहा कि चाय बागान इलाकों के लाइनों की सड़कों आदि के मरम्मत के लिए नौ सौ करोड़ रुपए का अनुमोदन दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सब के अलावा केंद्र सरकार द्वारा चाय बागान इलाकों में आधारभूत ढांचा विकसित करने के लिए असम को करीब सात सौ करोड़ प्राप्त होंगे। इससे चाय बागान इलाकों में स्कूल, एंबुलेंस, अस्पताल आदि की व्यवस्था ठीक करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार चाय जनजाति के कल्याण के लिए हमेशा ही कार्य करती रही है। चाय जनजाति के लोगों का बिजली बिल माफ करने के लिए सरकार द्वारा 150 करोड़ रुपए दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस हमेशा ही चाय जनजाति को लेकर वोट की राजनीति करती रही। कभी भी इनके कल्याण के लिए कोई कार्य नहीं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के नेताओं को जमकर लताड़ा।

दो भूमि विधेयकों...

ने विधानसभा अध्यक्ष बिश्वजीत दैमारी से कहा कि दोनों विधेयक संविधान के मूल सिद्धांतों के खिलाफ हैं। आप असंवैधानिक विधेयक को पेश होने की अनुमति कैसे दे सकते हैं? विधानसभा अध्यक्ष ने इसके जवाब में कहा कि विधेयक पेश कर दिए गए हैं तथा आगे इन पर चर्चा के दौरान आपत्तियां उठाई जा सकती हैं। इसके बाद, एआईयूडीएफ के विधायक आसन के सामने आ गए, जबकि कांग्रेस विधायकों के साथ-साथ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और रायजोर दल के एक-एक विधायक ने सदन से बहिर्गमन किया। इसके बाद एआईयूडीएफ विधायक भी सदन से बाहर चले गए। असम (अस्थायी बंदोबस्त क्षेत्र) काश्तकारी (संशोधन) विधेयक, 2024 में किसी विशेष भूमि के काश्तकारों को कुछ बुनियादी सेवाएं देने के प्रावधान हैं। असम भूमि और राजस्व विनियमन (संशोधन) विधेयक, 2024 को भूमि राजस्व के आकलन और संशोधन के लिए रूपरेखा को सरल और समेकित करने के लिए पेश किया गया है।

राज्य में 43 साल में ...

कदम उठाए जाएंगे। शर्मा ने कहा कि 2011 की जनगणना के अनुसार, राज्य में असमिया भाषी कुल जनसंख्या 1.51 करोड़ है, जो कुल 3.12 करोड़ निवासियों का 48.38 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि राज्य में 90.24 लाख बंगाली भाषी लोग हैं, जिनमें हिंदू और मुस्लिम दोनों शामिल हैं - जो कुल जनसंख्या का 28.92 प्रतिशत है। बरुआ के इस प्रश्न पर कि क्या राज्य सरकार इस तथ्य से अवगत है कि गैर-असमिया भाषा बोलने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है और इससे स्थानीय समुदायों के लिए खतरा पैदा हो रहा है, शर्मा ने कहा कि सरकार स्थिति पर नजर रख रही है।

डीजीपी ने लोगों से ...

एवं व्यवस्था बनाए रखने में हमारे साथ सहयोग करने का अनुरोध करता हूं। शहर, जिलों और सभी रेंजों के पुलिस प्रमुखों को भेजे पत्र में सिंह ने कहा कि हाल के दिनों में यह देखा गया है कि आपराधिक घटनाओं की कुछ घटनाएं ऐसी हुई हैं, जिनमें पीड़ित और आरोपी अलग-अलग समुदायों से हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में पुलिस को निर्देश दिया जाता है कि वह पूर्णत: कानून के अनुसार ही आगे बढ़े। डीजीपी ने पुलिस इकाइयों के साथ-साथ थाना स्तर की नागरिक समितियों और जिला प्रशासन को सभी समुदायों के हितधारकों के साथ नियमित बैठकें करने और विभिन्न समुदायों के बीच सौहार्द बनाए रखने का प्रयास करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसी भी वर्ग के लोगों को तत्काल न्याय या कानून से परे कार्रवाई करने की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। सिंह ने कहा कि क्षेत्रीय पुलिस इकाइयों को सभी परिस्थितियों में अनिवार्य रूप से कानून का शासन सुनिश्चित करना होगा और ऐसा न करने पर प्रतिकूल प्रभाव डाला जाएगा और तदनुसार निपटा जाएगा। डीजीपी ने कहा कि मैं कानून के पूर्ण पालन और कानून के कार्यान्वयन में निष्पक्षता के प्रति असम पुलिस की प्रतिबद्धता को दोहराता हूं। उल्लेखनीय है कि मारवाड़ी समुदाय के नेताओं के एक समूह ने घुटने टेककर माफी मांगने के लिए पारंपरिक असमिया रीति-रिवाज के तहत *पान-तमुल* (सुपारी और पान के पत्ते) चढ़ाए थे। घुटने टेककर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की घटना की कुछ वर्गों द्वारा आलोचना की गई, जिनका कहना था कि कानून को अपना काम करना चाहिए था। हालांकि, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने लोगों से माफी का *राजनीतिकरण* नहीं करने का आग्रह किया क्योंकि यह घटना एक लड़की पर हमले से संबंधित है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

त्रिपुरा में भूस्खलन ...

रही है। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री मानिक साहा ने बताया कि राज्य में आई बाढ़ काफी भीषण है। हम स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। सभी जिला अधिकारियों को प्रभावित लोगों को हर संभव मदद मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से सहायता मांगी थी। उन्होंने एनडीआरएफ की चार अतिरिक्त टीमों को राज्य में बचाव अभियान में सहयोग करने के लिए भेजा है। त्रिपुरा में आई बाढ़ की स्थिति को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने त्रिपुरा के सीएम मानिक साहा से बात की। इस दौरान उन्होंने राज्य को केंद्र की ओर से हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार ने एनडीआरएफ की टीमों के साथ बोट और हेलीकॉप्टर राज्य की सहायता के लिए भेजे हैं। नरेंद्र मोदी सरकार संकट की घड़ी में त्रिपुरा में रहने वाले अपने भाई बहनों के साथ है। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री मानिक साहा ने कहा कि राज्य में सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी (स्कूल, कॉलेज और राज्य संचालित विश्वविद्यालय) सहित सभी शैक्षणिक संस्थान अगली सूचना तक बंद रहेंगे। इस बारे में जल्द ही अधिसूचना जारी होगी।

नहीं देंगे दुर्गा प्रतिमा...

आवाज उठाएं और इसलिए हमने इस बार अपनी आंगन की मिट्टी देने से मना कर दिया है। पिछले कुछ दिनों में राज्य के विभिन्न रेड लाइट इलाकों की सेक्स वर्करों ने इस जघन्य अपराध के विरोध में रैलियां निकालीं। उनके प्रदर्शनों में एक आम नारा था- यदि आवश्यक हो, तो हमारे पास आओ लेकिन किसी महिला का दुष्कर्म मत करो। इसी बीच, कोलकाता की कुछ दुर्गा पूजा समितियों ने राज्य सरकार द्वारा दिए जाने वाले वार्षिक आर्थिक अनुदान को लेने से इनकार कर दिया है। इस साल अनुदान राशि को बढ़ाकर 85 हजार रुपए कर दिया गया है जबकि पिछले साल यह 70 हजार रुपए थी। उल्लेखनीय है कि 09 अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के सेमिनार हॉल में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पाया गया था।

सीएम के कथित ऑडियो ...

अंदर भी मुख्यमंत्री के विरोधी नेता इसे मुद्दा बनाकर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की मांग कर रहे हैं। खासकर भाजपा के कुकी विधायक और अन्य विधायक इसे लेकर एन बीरेन सिंह पर निशाना साध रहे हैं। मणिपुर के सभी 10 कूकी विधायकों के सरकार को शुरू से ही किसी भी कम में सहयोग नहीं देने की चर्चाए हैं। इन विधायकों ने साझा बयान जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री बीरेन सिंह की भूमिका संदिग्ध थी। इस ऑडियो क्लिपिंग में कितनी सच्चाई है, यह आने वाले दिनों में जांच में सामने आ जाएगा। इस ऑडियो क्लिपिंगको जांच के लिए न्यायिक आयोग को भेजा जा चुका है। फिर भी इस ऑडियो जारी होने के समय को लेकर शक की सुई रुक जाती है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री की पहल पर सिलचर में जिरीबाम के मैतेई और कूकी-जो संगठनों के नेताओं के बीच सीआरपीएफ की मौजूदगी में एक समझौता हुआ था। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा था कि शीघ्र ही मणिपुर की समस्या का स्थाई समाधान निकल रहा है। ठीक इसी बयान के बाद सोशल मीडिया में मुख्यमंत्री की आवाज में कूकी-जो समुदाय के विरुद्ध ऑडियो शेयर कर दिया गया। बेटी की जिरिबाम इकाई को भंग कर दिया गया। बाद में दोनों ही समुदाय के बीच हुए इस समझौते को कूकी के केंद्रीय संगठन ने रद्दी की टोकरी में डाल दिया।इससे शांति का मार्ग अवरुद्ध हो गया। इसी के बाद से मुख्यमंत्री पद से एन बीरेन सिंह को हटाने की मुहिम भी तेज हो गई। इस पूरे प्रकरण में विभीषण की भूमिका में मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के भाई है। उनके भाई राजेंद्रो नोंग ने दावा करते हुए कहा है कि यह ऑडियो सही है। देखना यह है कि दिल्ली दरबार में आखिरकार ऊंट किस करवट बैठता है।

जम्मू-कश्मीर का पूर्ण ...

मैंने केंद्र शासित प्रदेशों को पूर्ण राज्यों में बदलते हुए सुना और देखा है लेकिन जम्मू-कश्मीर इसका अपवाद है। हमने अपने चुनाव घोषणा पत्र में यह स्पष्ट कर दिया है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों को बहाल करना हमारी प्राथमिकता है। जम्मू-कश्मीर के लोगों को मेरा संदेश है कि हम उनकी जिस भी तरह से मदद कर सकते हैं, हम तैयार हैं। उन्होंने कहा कि नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलना चाहते हैं। इस अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कि पार्टी के स्थानीय नेताओं से मिले फीडबैक के आधार पर गठबंधन बनाने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि हम पूरे विपक्ष को साथ रखना चाहते हैं। खड़गे ने कहा कि कांग्रेस जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा वापस दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में भाजपा चुनाव सुनिश्चित नहीं कर सकी। भाजपा ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के मद्देनजर दबाव में चुनाव की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मैं यह बात रिकॉर्ड पर रखना चाहता हूं कि भाजपा अब जम्मू-कश्मीर में लोगों की आवाज नहीं दबा सकती। कांग्रेस जम्मू-कश्मीर के लोगों के कल्याण के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में अभूतपूर्व बेरोजगारी देखी गई है। भाजपा के बड़े-बड़े दावे कि अनुच्छेद 370 के बाद जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद का सफाया हो गया है, धराशायी हो गए हैं। घुसपैठ बढ़ गई है और आतंकवादी घटनाओं में भी तेजी देखी गई है। इस बीच बुधवार को श्रीनगर पहुंचे खड़गे और विपक्ष के नेता राहुल गुरुवार दोपहर जम्मू के लिए रवाना हो गए, जहां वे पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से मिलेंगे।

अफ्रीका में तबाही ...

संगठन ने बीमारी के हालिया प्रकोप को अंतर्राष्ट्रीय चिंता का कारण बताते हुए इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था। थाईलैंड ने बुधवार को कहा कि उस व्यक्ति ने एमपॉक्स होने की पुष्टि की है और वह थाईलैंड के लिए उड़ान भरने से पहले मध्य पूर्वी देश में गया था, जिसका उसने नाम भी नहीं बताया। थाईलैंड में 2022 से एमपीओएक्स क्लैड 2 के 800 मामलों का पता चला है, लेकिन अभी तक क्लैड 1 या क्लैड 1बी वेरिएंट का एक भी मामला सामने नहीं आया था।

कुमारस्वामी के खिलाफ ...

को अस्वीकार कर सकते हैं, तो पाटिल ने कहा, हमें लगता है कि राज्यपाल को हमारी सलाह माननी चाहिएए। उनके विवेकाधिकार सीमित हैं। हमें भरोसा है कि वह अपने विवेकाधिकार का सही तरीके से उपयोग करेंगे। राज्यपाल ने 16 अगस्त को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने को मंजूरी दी थी। यह मंजूरी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17 ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत दी गई है। यह कार्रवाई प्रदीप कुमार एस.पी., टी.जे. अब्राहम स्नेहमयी कृष्णा की याचिकाओं में उल्लिखित आरोपों के आधार पर की गई है। पाटिल ने कहा कि राज्यपाल के पास कई याचिकाएं लंबित हैं। इनमें से कुछ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत जांच एजेंसियों की ओर से दायर की गई याचिकाएं भी शामिल हैं। इनमें से कुछ मामलों में आरोपपत्र भी दाखिल किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मंजूरी की मांग भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 19 और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 197 और 218 के तहत की गई है। कुछ याचिकाएं भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 18 ए के तहत भी हैं। 2018 के विधानसभा चुनावों से पहले कुमारस्वामी ने कहा था कि मैं किंग बनूंगा, किंगमेकर नहीं और उनके शब्द भविष्यसूचक साबित हुए क्योंकि वोक्कालिगा नेता दूसरी बार मुख्यमंत्री बने, जबकि उनकी पार्टी जेडीएस चुनावों में तीसरे स्थान पर रही थी। यह कांग्रेस के साथ गठबंधन सरकार थी।लेकिन उनका कार्यकाल अल्पकालिक रहा क्योंकि उनके नेतृत्व वाली अस्थिर गठबंधन सरकार 13 महीने सत्ता में रहने के बाद गिर गई। कुमारस्वामी ने इससे पहले 2006 में जेडीएस-भाजपा सरकार के प्रमुख के रूप में 20 महीने तक सीएम के रूप में कार्य किया था। एच.डी. कुमारस्वामी 2018 में कर्नाटक के मुख्यमंत्री बने थे, और उनका मुख्यमंत्री बनना एक राजनीतिक घटनाक्रम था जिसमें कई दलों और उनकी जटिल गठबंधन की भूमिका रही। कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2018 में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी, लेकिन उसे पूर्ण बहुमत नहीं मिला। भाजपा को 224 सदस्यीय विधानसभा में 104 सीटें मिलीं। कर्नाटक विधानसभा में बहुमत हासिल करने के लिए किसी पार्टी को 113 सीटें चाहिए थीं। भाजपा को बहुमत नहीं मिला, जिससे गठबंधन की राजनीति का एक नया दौर शुरू हुआ। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (कांग्रेस) और जनता दल (सेक्युलर) जद (एस) ने मिलकर एक गठबंधन सरकार बनाने की योजना बनाई। कांग्रेस को 80 सीटें और जद (एस) को 37 सीटें मिलीं।

एससी के आदेश ...

एफएआईएमए ने हड़ताल वापस लेने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि हम अंतरिम सुरक्षा और अस्पतालों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए आवश्यक कदमों के लिए हमारी प्रार्थनाओं की स्वीकृति का स्वागत करते हैं। दिल्ली में रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए), इंदिरा गांधी अस्पताल (आईजीएच) ने सुप्रीम कोर्ट के आश्वासन के बाद 11 दिन की हड़ताल समाप्त कर दी। 12 अगस्त से डॉक्टर्स एसोसिएशन ने प्रदर्शन शुरू किया था, जिससे सभी अस्पताल में मरीजों परेशान थे, ओपीडी की सुविधा बंद कर दी गई थी। अब सभी डॉक्टर्स हड़ताल खत्म कर वापस ड्यूटी पर लौट गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले दिन में प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से काम शुरू करने को कहा था और उन्हें आश्वासन दिया था कि काम पर लौटने के बाद उनके खिलाफ कोई प्रतिकूल कार्रवाई नहीं की जायेगी।

लेह : गहरी खाई ...

खो देने के कारण बस खाई में गिर गई। जिला प्रशासन और पुलिस के कर्मियों ने घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। 22 घायलों को लेह के एसएनएम अस्पताल और सेना के अस्पताल ले जाने के लिए हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया जा रहा है। सुखादेव ने बताया कि घायलों में से दो की हालत गंभीर है।

अलकायदा के 14 ...

को हिरासत में लिया गया है। संदिग्ध अलग-अलग राज्यों से थे, जिसका मुखिया झारखंड का डॉक्टर इश्तियाक था। फिलहाल विभिन्न स्थानों पर छापामारी चल रही है और अतिरिक्त गिरफ्तारियों की भी संभावना है। कई स्थानों से हथियार, गोला-बारूद, साहित्य आदि बरामद किए गए हैं। अभियान जारी है और अब तक कुल 17 स्थानों पर छापामारी की गई है।

बहिरागत शब्द को लेकर आपत्ति है : पीयूष हजारिका

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के संसदीय कार्य आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा है कि उन्हें बहिरागत शब्द प्रयोग किए जाने को लेकर आपत्ति है। मंत्री हजारिका आज असम विधानसभा के चालू शरदकालीन सत्र के पहले दिन विधायक अखिल गोगोई बार-बार खिलंजिया (स्थानीय) और बहिरागत शब्द व्यवहार कर रहे थे। इसको लेकर सदन में काफी देर तक माहौल उत्तेजित रहा। विधायक अखिल गोगोई प्रश्नकाल के बाद सभा स्थगन प्रस्ताव लाते हुए बार-बार खिलंजिया और बहरागत शब्द का उपयोग कर रहे थे। उत्तर देने के लिए उठे मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा कि उनको बहिरागत शब्द को लेकर आपत्ति है। उन्होंने कहा कि भारत में कोई भी भारतीय नागरिक बहिरागत नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि अखिल गोगोई का लड़का दिल्ली में पढ़ता है। उन्होंने कहा कि हमारे बच्चे भी असम के बाहर रहते हैं। बड़ी संख्या में असम के लोग देश के विभिन्न हिस्सों में रहते हैं। ऐसे में यदि उन्हें भी वहां बहिरागत कहते हुए उनके साथ भेदभाव किया जाए तो यह ठीक नहीं होगा। मंत्री के उत्तर के दौरान अखिल गोगोई लगातार बहिरागत, मारवाड़ी, बिहारी आदि शब्दों का उच्चारण करते हुए व्यंग्य करते रहे।

वित्तीय संस्थान बनाकर जालसाजी का आरोपी गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। एक वित्तीय संस्थान बनाकर जालसाजी करने के आरोपी नुरुल इस्लाम को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उस पर करोड़ों रुपए लूटने का आरोप है। नूरुल इस्लाम कामरूप के गरैमारी में गांवलिया निधि लिमिटेड नामक कंपनी का प्रबंध निदेशक है। गिरफ्तार नुरुल इस्लाम का घर टुकरापाड़ा (घोरामारा) में है। गिरफ्तार इस्लाम पर स्कूली बच्चों के नाम पर खाता खोलकर लाखों रुपए वसूलने का आरोप है। आरबीआई की अनुमति के बिना बैंक संस्थान खोला गया। कामरूप जिला पुलिस अधीक्षक के आदेश पर गरैमारी पुलिस ने नुरुल इस्लाम को गिरफ्तार कर लिया। कंपनी के एमडी नूरुल इस्लाम के खिलाफ गरैमारी थाना में 98/24 दर्ज किया गया है। मामले के आधार पर, कामरूप जिले के डीएसपी राजीव सैकिया पहुंचे और लैपटॉप सहित कई आपत्तिजनक सामग्री जब्त की।

सभा स्थगन के मुद्दे पर कांग्रेस और एआईयूडीएफ का बहिर्गमन

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा के शरदकालीन सत्र का पहला दिन हंगामेदार रहा। प्रश्नकाल को स्थगित कर अपने प्रस्तावों पर चर्चा न कराने प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस तथा एआईयूडीएफ के सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया। प्रश्नकाल के दौरान विधानसभा में प्रतिपक्षी कांग्रेस के नेता देवब्रत सैकिया ने स्मार्ट मीटर में आ रही विसंगतियों को लेकर सवाल उठाया और विधानसभा की कार्यवाही स्थगित कर चर्चा कराने की मांग की। वहीं, एआईयूडीएफ के विधायक अमीनुल इस्लाम ने जमीन की खरीद-बिक्री के सिलसिले में मुसलमान को लेकर भेदभाव का आरोप लगाते हुए प्रश्नकाल स्थगित कर चर्चा करने की मांग की। एक अन्य सदस्य अखिल गोगोई ने भी शिवसागर जिले में विवाद को लेकर चर्चा करने की मांग की। मांग के समर्थन में कई विपक्षी विधायकों ने सदन में हंगामा किया। संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका ने स्थगन की मांग अस्वीकार किए जाने के बाद उत्तेजित कांग्रेस के सदस्यों ने हाथों में प्लेकार्ड लेकर नारेबाजी शुरू कर दी। कांग्रेस के सदस्य अपने स्थान से उठकर लॉबी में अध्यक्ष के आसन के सामने आकर नारेबाजी और प्रदर्शन करने लगे। इसी बीच एआईयूडीएफ के सदस्य भी अपने आसन से उठकर लॉबी में पहुंच गए। नारेबाजी करते हुए पहले एआईयूडीएफ के सदस्य सदन से बाहर चले गए। इसके बाद कांग्रेस के सदस्यों ने भी हाथों में प्लेकार्ड लेकर नारेबाजी करते हुए सदन से वाकआउट कर गए। इसके बाद अध्यक्ष ने शून्यकाल की कार्यवाही शुरू की गई।

ड्रग्स के साथ युवक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने गुरुवार को सातगांव थाना क्षेत्राधिकार के पांजाबाड़ी इलाके से एक युवक को तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने उसके पास से 35 ग्राम हेरोइन के अलावा एक मोबाइल फोन व 2580 रुपए बरामद किए हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि एसटीएफ ने एक सूचना के बाद गुरुवार सुबह सातगांव थाना क्षेत्राधिकार के तहत पांजाबाड़ी इलाके में छापा मारा। एसटीएफ ने यहां से कैलाश नगर, पांजाबाड़ी, सातगांव, कामरूप-मेट्रो के पांजाबाड़ी के कैलाश नगर निवासी सुभाष सोनार उर्फ सोनू को पकड़ लिया। एसटीएफ ने सुभाष के पास से संदिग्ध हेरोइन की 24 शीशियां बरामद की हैं। जिनका वजन 35 ग्राम बताया गया है। इसके अलावा उसके पास से मोबाइल फोन व 2580 रुपए भी बरामद हुए हैं। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद एसटीएफ ने आरोपी और बरामदगी के सामान के साथ सातगांव पुलिस को सौंप दिया है।

कामपुर में बरपानी नदी का भयानक रूप : घर डूबे, तटबंध हुआ क्षतिग्रस्त

नगांव (हिंस)। पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण बरपानी नदी पर बने कार्बी लांग्पी जलविद्युत परियोजना द्वारा मंगलवार को चार गेटों से पानी छोड़े जाने के बाद बरपानी नदी ने कसुवा क्षेत्र में कहर बरपाया है। माधवपाड़ा में बरपानी नदी के पानी ने तटबंध को तोड़ दिया, जिसके चलते इलाके में बाढ़ आ गयी, वहीं माधवपाड़ा में कार्बी आंग्लांग-चापरमुख लिंक रोड पर लगभग सौ मीटर सड़क को बाढ़ के पानी ने तोड़ दिया। इस महत्वपूर्ण सड़क के पानी में डूब जाने के कारण यातायात की भारी समस्या उत्पन्न हुई है। इसके अलावा, बरपानी नदी के पानी में दस घर डूब गए हैं। क्षेत्र के करीब आठ से दस गांव इस समय बाढ़ की चपेट में हैं। इलाका बाढ़ की चपेट में है। कामपुर राजस्व सर्कल की सर्किल अधिकारी अनन्या लहकर क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने पहुंची और राहत प्रदान करने का आश्वासन दिया। रमनी पथार, बिरिंगाटी, राजाली, उजानमारी और सोनारुगुड़ी समेत कई गांव बाढ़ की चपेट में हैं। पिछले तीन महीनों में लगातार तीन बार आई बाढ़ ने स्थानीय लोगों को काफी परेशान किया है।

वाहन की ठोकर से व्यक्ति की मौत

गोलाघाट (हिंस)। बोकाखाट के इकराजान में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर हुए एक सड़क हादसे में एक पैदल यात्री की मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि मृतक की पहचान बोकाखात चाय बागान के कर्मचारी बाबुल भुइयां (47) के रूप में हुई है। उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दुर्घटना का कारण बनने वाले ऑटो कंडक्टिंग कंटेनर (एनएल - 01एएच- 5674) को बोकाखात थाने में ले जाया गया। चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। शव को बोकाखात में यातायात पुलिस ने बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए गोलाघाट अस्पताल भेज दिया।

बलात्कार के मामले में युवक को 25 साल की सश्रम कारावास

धेमाजी (हिंस)। धेमाजी जिला न्यायाधीश की कोर्ट ने गुरुवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने एक बलात्कार के मामले में आरोपी व्यक्ति को 25 साल का सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। धेमाजी के कोर्ट का फैसला ऐसे समय में आया है, जब कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक महिला डॉक्टर से रेप और उसकी हत्या की घटना से पूरेदेश में आक्रोश है। गुरुवार को जिला न्यायाधीश कौशिक हजारिका ने वर्ष 2017 में धेमाजी पुलिस स्टेशन में बलात्कार के मामले में दर्ज एक केस में फैसला सुनाया। कोर्ट ने इस मामले में आरोपी भाईजान मरांग उर्फ श्रीमंत को 25 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही कोर्ट ने 20 हजार रुपए का जुर्माना भी नहीं लगाया है। जुर्माना अदा न करने की स्थिति में दोषी को छह महीने की अतिरिक्त जेल की सजा काटनी होगी।

जय मां कामाख्या सेवा समिति को सर्वश्रेष्ठ सेवा शिविर का पुरस्कार

रंगिया (निसं)। इस वर्ष सर्वश्रेष्ठ सेवा शिविर का पुरस्कार जय मां कामाख्या सेवा समिति को प्राप्त हुआ है। इस हेतु समिति ने उन सभी भक्तजनों का आभार व्यक्त किया है जिन्होंने सेवा का मौका दिया। फिर भी अगर इसमें कोई कमी या त्रुटि रह गई हो तो अंत:करण क्षमा याचना की हैं। मालुम हो कि विशाल भंडारा, जय मां कामाख्या सेवा समिति (टिहू, बजाली, नलबाड़ी, रंगिया, गुवाहाटी, बरपेटा, चिरांग, कोकराझाड़, बाक्सा कांवड़िया संघ द्वारा संचालित झारखंड के कटोरिया पेट्रोल पम्प, राजवाड़ा रेल गेट, में नर सेवा, नारायण सेवा की तर्ज पर शिविर लगाया गया था। श्रीश्री बाबा वैद्यनाथ देवघर की असीम कृपा से हर साल की तरह इस साल भी श्रावणी मेला में भक्तों की सेवार्थ गत 21 जुलाई रविवार से 19 अगस्त सोमवार तक जय मां कामाख्या सेवा समिति की पावन भुमि पर एक नि:शुल्क विशाल सेवा शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमें नि:शुल्क सेवायें डाक सेवा, गरम पानी, पीने का पानी, गरम पानी सेवा, प्राथमिक चिकित्सा सेवा, चाय, रात्रि भंडारा, बाबा की पूजा आरती, नीबू शर्बत, सुचना: सेवा, दोपहर भंडारा, पीने का पानी, मोबाइल चार्ज सेवा, पंडाल से पंखे सहित विश्राम सेवा, फलाहार सेवा, दण्डी बम की विशेष सेवा प्रदान की गई थी।

असम कांग्रेस ने किया ईडी दफ्तर के सामने प्रदर्शन

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा को एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (ईडी) द्वारा समन भेजने के विरोध में आज गुवाहाटी के क्रिश्चियन बस्ती में ईडी दफ्तर के सामने प्रदेश कांग्रेस ने विरोध-प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि करीब दो सप्ताह पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को आयकर विभाग की ओर से भी नोटिस भेजी गई थी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बोरा को ईडी का समन मिलने के तुरंत बाद बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता ईडी के कार्यालय का घेराव करने के लिए पहुंच गए। काफी समय तक वहां नारेबाजी की गई। आखिरकार काफी मशक्कत के बाद पुलिस कांग्रेस कार्यकर्ताओं को वहां से हटाने में सफल रही।

तेंदुए के हमले में एक युवक घायल

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के बाहरी इलाका सोनापुर थाना क्षेत्र के नजीराघाट इलाके में तेंदुआ द्वारा किए गए हमले में एक युवक घायल हो गया। वन विभाग ने गुरुवार को बताया कि नजीराघाट इलाके में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर दो पहिया वाहन से जा रहे एक युवक पर अचानक एक तेंदुआ ने हमला कर दिया। हमले की वजह से दो पहिए वाहन का चालक घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए सोनापुर जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। घटना की जानकारी मिलते ही सोनापुर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची हालांकि, तेंदुआ को इलाके में नहीं देखा गया। लेकिन, तेंदुआ के पंजे के निशान पाए गए है। रिहाइसी इलाके में तेंदुआ की मौजूदगी की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। तेंदुआ पास के ही आमसंग अभारण्य से निकलकर आने की आशंका वन विभाग ने व्यक्त की है।

बीटीसी प्रमुख ने बांटे टीईटी नियुक्ति पत्र

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम बीटीआर सीईएम प्रमोद बोरो ने आज समारोहपूर्वक नियुक्तियां वितरित कीं। वितरण कार्यक्रम का आयोजन बोडोफा स्थित बीटीआर के सांस्कृतिक परिसर में किया गया। इन नियुक्ति पत्र हिंदी, विज्ञान टीटर्रों के बीच बांटी गई। नई नियुक्तियों को संबोधित करते हुए सीईएम प्रमोद बोरो ने उन्हें बधाई दी आशा व्यक्त की कि वे एक शिक्षक के रूप में अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करेंगे। भावी पीढ़ियों को सशक्त बनाएं। शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए बच्चों के भविष्य को आकार देने में, उन्होंने कहा कि शिक्षण एक कला है और उन्हें ऐसा करना चाहिए न केवल पाठ्य-पुस्तक उन्मुख शिक्षण पर ध्यान केंद्रित करें बल्कि ज्ञान प्रदान करने का प्रयास करें ताकि बच्चों को सक्षम, जिम्मेदार और योग्य बनाया जा सके। भविष्य में सफल वयस्क शिक्षकों की नियुक्ति से गुणवत्ता में काफी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। स्कूलों में शिक्षा, और सीखने में सुधार करने में काफी मदद मिलेगी छात्रों का अनुभव। यह मील का पत्थर बीटीआर में एक महत्वपूर्ण कदम है। शैक्षिक उत्कृष्टता बढ़ाने और सहायक को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता छात्रों के लिए सीखने का माहौल। बीटीसी प्रमुख ने उम्मीद जताई कि वह गैर-प्रांतीय शैक्षणिक संस्थानों के शिक्षकों के मुद्दों को हल करने के लिए चर्चा चल रही है, ऐसे में सरकार के साथ होने वाली चर्चा का समर्थन करेंगे। बोड़ो ने कहा कि विशेषज्ञ समिति और बीटीसी सचिव अमर ज्योति बर्मन ने सोशल मीडिया पर प्रकाशित गलतियों को स्वीकार करते हुए एक संवाददाता सम्मेलन में भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी को स्पष्टकर चुकी हैं। उल्लेखनीय है कि वंचित अभ्यर्थियों ने योग्य और कुशल शिक्षकों के चयन में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया था और गड़बड़ी की जांच के लिए एसआईटी गठित करने की मांग की है। वंचित उम्मीदवारों ने जांच असम के शीर्ष पुलिस अधिकारी सुरजीत सिंह पानेश्वर से कराने की मांग की थी।

हैलाकांदी जिले के कई गांव बाढ़ से प्रभावित

हैलाकांदी (हिंस)। राज्य के बराक घाटी का हैलाकांदी जिला फिर से बाढ़ की चपेट में आ गया है। हैलाकांदी जिले के कई गांव काटाखाल नदी के पानी में जलमग्न हो गए हैं। कई दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण हैलाकांदी जिले में काटाखाल और धालेश्वरी नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। काटाखाल नदी का जलस्तर बढ़ने से अंकाई लंका तटबंध के ऊपर पानी के बहाव के साथ-साथ बाढ़ के पानी के कारण लाला और सिलचर को जोड़ने वाली समारिकोना सड़क भी जलमग्न हो गई है। पिछली बाढ़ के दौरान, अनकाई लंका तटबंध टूट गया गया था। टूटे हुए तटबंध को राज्य के जल संसाधन विभाग द्वारा अस्थायी रूप से मरम्मत की गई थी। लेकिन फिर से, इस तटबंध का पानी कई क्षेत्रों को जलमग्न कर दिया है। जिसके चलते ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन स्थिति से निपटने में जुटा हुआ है।

डॉ. मोमिता देवनाथ को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ में राष्ट्रीय जनकल्याणकारी परिषद के जिला समिति के सहयोग से डॉ. मोमिता देवनाथ को श्रद्धांजलि दी गई। उल्लेखनीय है कि के पिछले दिनों मोमिता देवनाथ को शारीरिक अत्यचार कर उसकी हत्या कर दी गई थी। हत्या के जिलेभर में विरोध-प्रदर्शन की गई थी। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पहले उनकी आत्मा की शांति के लिए एक मिनट का मौन रखा गया। इसके बाद मोमिता की तस्वीर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अपिर्त की की गई। इस कार्यक्रम में आरजेपी के राज्सस्तरीय वाइस प्रेसिडेंट पीयूष सरकार समेत जिलाध्यक्ष रंजित घोसाल के साथ कई अन्य कार्यकर्ता और नेतागण उपस्थित थे। हालांकि इस दौरान हत्या के आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की गई।

गल्लापट्टी हनुमान मंदिर में नौका महोत्सव कल

गुवाहाटी। पिछले दिनों श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति कि एक सभा आयोजित की गई, जिसमें आगामी 24 अगस्त को आयोजित होने वाले श्री हनुमान नौका महोत्सव के सफल आयोजन हेतु विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। अध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा की अध्यक्षता आयोजित इस बैठक में आगामी 24 अगस्त को फैंसी बाजार के टीआरपी रोड स्थित गल्लापट्टी श्री हनुमान मंदिर में श्री हनुमान नौका महोत्सव विभिन्न कार्यक्रमों के साथ आयोजित करने का निर्णय लिया गया। आयोजकों ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी परंपरागत रूप से कोलगाछ की नाव का निर्माण कर शाम को भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस मौके पर मंदिर को भर रूप से सजाया जाएगा एवं बाबा की विशेष पूजा-अर्चना के पश्चात प्रसाद चढ़ाया जाएगा।

एक्सिस बैंक ने विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाया

गुवाहाटी। एक्सिस बैंक, जो भारत के प्रमुख निजी क्षेत्र के बैंकों में से एक है, *विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस* के उपलक्ष पर पूरे भारत में अपनी 5430 से अधिक शाखाओं में अपने वरिष्ठ नागरिक ग्राहकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर, एक्सिस बैंक ने उनके लिए उपलब्ध सबसे अच्छे निवेश विकल्पों जैसे कि म्यूचुअल फंड्स, सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान्स, टर्म डिपॉजिट्स और अन्य विशेष वित्तीय सेवाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने कि पहल की। बैंक ने वरिष्ठ नागरिक ग्राहकों को अपनी *सिल्वर लाइनिंग प्रोग्राम* के बारे में बताया, जो विशेष रूप से बुजुर्गों की बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार की गई पेशकशोंका एक व्यापक समूह है। इस अवसर पर बोलते हुए, अर्निका दीक्षित, प्रेसिडेंट और हेड-ब्रांच बैंकिंग ने कहा कि एक्सिस बैंक में, हमें विश्वास है कि हमारे ग्राहकों की सेवाके वल वित्तीय सेवाएं प्रदान करने तक सीमित नहीं है। यह पहल वरिष्ठ नागरिकों के प्रति हमारी गहरी सम्मान और प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक मजबूत प्रणाली बनाने में योगदान दिया है, और अब हमारी बारी है कि हम उनका समर्थन करें और उनकी देखभाल करें। इसी उद्देश्य से एक्सिस बैंक उनके लिए सुविधाजनक और सुगम बैंकिंग अनुभव प्रदान करके, और उनके लिए कस्टमाइज्ड उत्पादों के साथ, हम उनके जीवन के इस चरण की सभी आवश्यकताओं को पूरा करने का लक्ष्य रखते हैं। इस उत्सव के मौके को विशेष बनाने के लिए, एक्सिस बैंक ने अपनी हेल्थ और जनरल इंश्योरेंस पार्टनर्स के साथ मिलकर कुछ चयनित एक्सिस बैंक शाखाओं में वरिष्ठ नागरिकों के लिए मुफ्त डिजिटल हेल्थचेक-अप्स प्रदान किए। इस में बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई), ब्लड प्रेशर, ऑक्सीजन सैचुरेशन, हार्टरेट, रेस्पिरेटरी रेट आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, बैंक ने ऑनलाइन हेल्थ के यर प्लेटफॉर्म, ऑप्टिमिस्ट्स के माध्यम से दवाइयों की खरीद पर 21 प्रतिशत तक की छूट जैसी विशेष ऑफर्स की घोषणा भी की।

Walk in Interview
Date : 27/08/2024
Venue : Office of the superintendent, NMCH, Nalbari
Time : 11am onwards

Name of the post/ No. of post	Essential Educational Qualification	Consolidated Salary (Rs)
(MRI & CT Technician)-04	Bachelors of Science in Medical Imaging Technology (B.Sc.- MIT with 2 years of experience/DMRT with 03 years of experience in a relevant field.	12000 / month + incentive case to case basis
Radiographer	DMRT with 03 years of experience in a relevant field.	Rs 10000 / month

General Conditions :

- The posts engaged will be purely on temporary basis for one year only. Extension is subject to his/her conduct and performance .
- **Candidate should bring the following..**
  - Bio-data (highlighting personal details, academic records, experience etc)
  - Self-attested copies of certificates & testimonials in support of qualification and experience.
- Candidates are advised to bring all original certificate/documents in support of information furnished in the Bio-data that to be produced at the time of interview, failing which the candidate will be disqualified. Candidature is liable to be rejected at any stage of engagement process of after engagement or joining, if any information provided by the candidate is found to be false or is not found in conformity with eligibility criteria mentioned in the advertisement.

Sd/-
Principal cum Chief Superintendent
Nalbari Medical College & Hospital
Nalbari, Assam

-- Janasanyog /D/4585/24/23-Aug-24

संपादकीय

दूध की सुध

यह मानवीय मूल्यों के पराभव की पराकाष्ठा है कि दूध की जगह रासायनिक पदार्थों से बना जहरीला पदार्थ धड़ल्ले से बिक रहा है। हकीकत में दूध दुनिया में सबसे ज्यादा मिलावटी खाद्य पदार्थ है, लेकिन भारत में यह संकट बड़ा है। वैसे भारत पिछले दो दशक से दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है। लेकिन लगातार पशुधन संख्या में गिरावट के बावजूद दूध से जुड़े आंकड़े संदेह भी पैदा करते हैं। दूध में पानी मिलाने की कथाएं तो सदियों पुरानी हैं। लेकिन हाल के दशकों में उन खबरों ने डराया है, जिनमें कहा गया कि आपराधिक मानसिकता के मुनाफाखोर दूध में डिटर्जेंट, यूरिया, ग्लुकोज और फॉर्मेलिन आदि मिला रहे हैं। विडंबना देखिये कि सदियों से कहा जाता रहा है कि दूध बलवर्धक व स्वास्थ्यवर्धक पेय पदार्थ है। आज के दौर में खाने-पीने की चीजों में तमाम रासायनिक पदार्थों की मिलावट के बाद एक दूध से उम्मीद होती है कि बच्चे दूध पीकर तंदुरुस्त बनें। लेकिन जब वे रासायनिक पदार्थों से बना दूध पीएंगे तो उनका क्या स्वास्थ्य सुधरेगा? कल्पना कीजिए कि किसी मरीज को डॉक्टर स्वस्थ होने के लिये दूध पीने को कहे और वह नकली दूध पीने से और बीमार पड़ जाए। वहीं दूसरी ओर रेलवे स्टेशनों व बस स्टैंडों पर भी लगातार नकली दूध की चाय बिकने की शिकायतें आती रही हैं। कुछ वर्ष पहले उ.प्र. के एक रेलवे स्टेशन में सफेद रंग से बने दूध की चाय बिकने की शिकायत सामने आई थी। लेकिन इसके बावजूद इस मिलावट पर अंकुश लगाने के लिये हितधारकों की तरफ से कोई गंभीर प्रयास होते नजर नहीं आते। यह दुखद ही है कि हर घर में प्रयुक्त होने वाले दूध की गुणवत्ता में भारी गिरावट के बाद भी शासन-प्रशासन की दृष्टि में यह गंभीर मुद्दा नहीं है। न ही राजनीतिक दल ही इस गंभीर मुद्दे को संबोधित करते हैं। जिसकी वजह से मिलावट करने वालों के हौसले बुलंद हैं। बहरहाल, आज यदि समाज में सेहत के लिये घातक रासायनिक पदार्थों से बना नकली दूध धड़ल्ले से बिक रहा है तो स्वाभाविक प्रश्न है कि जिन खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के पास खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने का जिम्मा है, क्या वे ईमानदारी से अपने दायित्वों को निभा रहे हैं? दरअसल, इन मलाईदार पदों पर नियुक्ति में जिस तरह धनबल व राजनीतिक बल चलता है, वह पद कालांतर सोने का अंडा देने वाली मुर्गी में बदल जाता है। तभी दिवाली आदि त्योहारों में मिठाई के लिये बाजार में दूध, मावे और पनीर की बाढ़ आ जाती है, लेकिन ऐसी स्थिति वर्ष के शेष महीनों में नहीं होती। सवाल स्वाभाविक है कि दिवाली व अन्य त्योहारों के समय दूध व उसके उत्पादों से जो बाजार भर जाता है, साल के शेष महीनों में वह दूध आदि क्यों नजर नहीं आता? इस खेल की तह तक जाने की जरूरत है। वहीं क्या उपभोक्ताओं को मिलावटी दूध से स्वास्थ्य को पैदा होने वाले खतरों के प्रति जागरूक किया जाता है? विडंबना देखिए कि पंजाब, जहां प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता देश में सर्वाधिक है, वह मिलावटी दूध के दाग को धोने के लिये संघर्षरत है। पिछले तीन वर्षों में राज्य में एकत्र किए गए दूध व दूध से बने उत्पादों के लगभग 18 प्रतिशत नमूने फेल हुए हैं। वहीं दूध-दही के खाने के लिये प्रसिद्ध हरियाणा में भी 28 फीसदी नमूने मानक कसौटी पर खरे नहीं उतरे। जैसे-जैसे त्योहारी सीजन नजदीक आ रहा है नमूने भरने, तलाशी लेने और मिलावट करने वालों की धरपकड़ की रस्मी कार्रवाई तेज हो जाएगी। लेकिन अब तक सुना नहीं गया कि किसी दोषी को कोई बड़ी सजा मिली हो। दरअसल, इन मामलों में कड़ी सजा न मिलने से मिलावट करने वालों के हौसले बुलंद रहते हैं। उन्हें पता है कि आखिरकार येन-केन-प्रकारेण वे बच ही जाएंगे। महत्वपूर्ण बात यह है कि आम उपभोक्ता के लिये दूध में मिलावट की पहचान करने वाली किट बाजार में सहजता से उपलब्ध हों। इस किट को किफायती, उपयोगकर्ता के अनुकूल तथा सटीक जानकारी देने वाला बनाया जाए। खाद्य सुरक्षा एजेंसियों को उत्पादों की जांच, नमूने लेने तथा दोषी पाये जाने पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

भारत पिछले दो दशक से दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है। लेकिन लगातार पशुधन संख्या में गिरावट के बावजूद दूध से जुड़े आंकड़े संदेह भी पैदा करते हैं। दूध में पानी मिलाने की कथाएं तो सदियों पुरानी हैं। लेकिन हाल के दशकों में उन खबरों ने डराया है, जिनमें कहा गया कि आपराधिक मानसिकता के मुनाफाखोर दूध में डिटर्जेंट, यूरिया, ग्लुकोज और फॉर्मेलिन आदि मिला रहे हैं। विडंबना देखिये कि सदियों से कहा जाता रहा है कि दूध बलवर्धक व स्वास्थ्यवर्धक पेय पदार्थ है। आज के दौर में खाने-पीने की चीजों में तमाम रासायनिक पदार्थों की मिलावट के बाद एक दूध से उम्मीद होती है कि बच्चे दूध पीकर तंदुरुस्त बनें। लेकिन जब वे रासायनिक पदार्थों से बना दूध पीएंगे तो उनका क्या स्वास्थ्य सुधरेगा? कल्पना कीजिए कि किसी मरीज को डॉक्टर स्वस्थ होने के लिये दूध पीने को कहे और वह नकली दूध पीने से और बीमार पड़ जाए। वहीं दूसरी ओर रेलवे स्टेशनों व बस स्टैंडों पर भी लगातार नकली दूध की चाय बिकने की शिकायतें आती रही हैं। कुछ वर्ष पहले उ.प्र. के एक रेलवे स्टेशन में सफेद रंग से बने दूध की चाय बिकने की शिकायत सामने आई थी।

बड़ा सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति चिन्ताजनक

ललित गर्ग

पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। कई घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली।

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति चिन्ताजनक है। पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। कई घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है। यह दुष्प्रवृत्ति बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर तो नकारात्मक प्रभाव डाल ही रही है, इसे भविष्य में समाज की शांति के लिए बड़ा खतरा भी मानना चाहिए। राजस्थान के उदयपुर के स्कूल में दो छात्रों के आपसी विवाद में चाकू मारने से एक छात्र की मौत भी बच्चों में पनप रहे इसी हिंसक बर्ताव का घिनौना एवं घातक रूप है। बड़ा सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है! पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई-लिखाई के तौर-तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर उसकी सोच-समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मनःस्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अभिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा? बच्चों के बस्ते की औचक जांच की व्यवस्था की अपनी अहमियत हो सकती है। मगर जरूरत इस बात की है कि बच्चों के भीतर बढ़ती हिंसा और

आक्रामकता के कारणों को दूर करने को लेकर गंभीर काम किया जाए। उदयपुर की घटना के पूरे मामले की पुलिस अपने तरीके से जांच करेगी, लेकिन किशोर अवस्था में ऐसी घटना को अंजाम देने के पीछे बच्चे की मानसिकता का पता लगाना भी ज्यादा जरूरी है। तहकीकात स्कूल की व्यवस्थाओं की भी होनी चाहिए कि आखिर बच्चा स्कूल में हथियार लेकर कैसे आ गया? इसमें दो राय नहीं कि किशोरवय में राह भटकने का खतरा ज्यादा रहता है। उम्र के इस पड़ाव पर उनको सही राह दिखाने की जिम्मेदारी परिजन और शिक्षक की ही होती है। आज दोनों ही कहीं न कहीं अपनी जिम्मेदारी से दूर होते नजर आ रहे हैं। स्कूल में केवल किताबी ज्ञान पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। वहीं अर्थप्रधान दुनिया में माता-पिता के पास बच्चों के साथ बिताने के लिए समय ही नहीं बच पा रहा। 'मन जो चाहे वही करो' की मानसिकता वहां पनपती है जहां इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, जहां व्यक्तिवादी व्यवस्था में बच्चे बड़े होते-होते स्वच्छन्द हो जाते हैं। 'मूड ठीक नहीं' की स्थिति में घटना सिर्फ घटना होती है, वह न सुख देती है और न दुःख। ऐसी स्थिति में बच्चे अपनी अनंत शक्तियों को बौना बना देता है। यह दकियानूसी ढंग है भीतर की अस्तव्यस्तता को प्रकट करने का। पारिवारिक एवं सामाजिक उदासीनता एवं संवादहीनता से ऐसे बच्चों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे बच्चों में मान-मर्यादा, शिष्टाचार, संबंधों की आत्मीयता, शांतिपूर्ण सहजीवन आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख-सुविधाएं ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। भारतीय बच्चों में इस तरह का एकाकीपन उनमें गहरी हताशा, तीव्र आक्रोश और विषैले प्रतिशोध का भाव भर रहा है। वे मानसिक तौर पर बीमार बन रहे हैं और अपने पास उपलब्ध खतरनाक एवं घातक हथियारों का इस्तेमाल कर हत्याकांड कर बैठते हैं। शिक्षकों और परिजनों से संवादहीनता के चलते बच्चों ने मोबाइल फोन और सोशल मीडिया को संवाद का जरिया बना लिया है। कई बार टी.वी. पर हिंसक कार्यक्रम देखने आदि से बच्चों में हिंसक व्यवहार बढ़ जाता है। घर में लगातार बंदूकें, चाकू आदि देखते रहने से भी बच्चों का व्यवहार हिंसक हो जाता है। वैसे भी अगर बच्चों को किसी भी बात के लिए मना नहीं करेंगें, टोकेंगें नहीं तो उन्हें अच्छे-बुरे की पहचान कैसे होगी। एक ऑनलाइन सर्वे में माता-पिता ने कहा था कि बच्चों को गलत काम की सजा भी मिलनी चाहिए, वरना उनके मन में किसी भी बात के लिए डर नहीं रहेगा और हो सकता है वे ऐसे अपराधों को भी अंजाम देने लगें, जिनके परिणामों के बारे में उन्हें पता नहीं। स्कूली बच्चों में पिछले कुछ समय से हिंसक प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है, जो समाज के लिए खतरे की घंटी से कम नहीं है। मनोविज्ञानी यह मानते हैं कि मोबाइल पर पबजी जैसे खतरनाक गेम और वेब सीरीज बच्चों को हिंसक बना रही है। लेकिन, इसके पीछे न सिर्फ स्कूल का वातावरण, बल्कि लाड-प्यार में अंधे अभिभावकों का रवैया भी कम जिम्मेदार नहीं है। बच्चों में हिंसक व्यवहार के संकेत, जैसे गलत भाषा का प्रयोग करना, समझाने पर भी गुस्सा करना, कोई भी बात समझाने पर चीजें फैंकने लगना, मां-बाप को ही मारने दौडना, लोगों के बारे में गलत बोलना, गलत आदतों में पडना, भाई-बहन के लिए स्नेह न रखना, लड़ाकू प्रवृत्ति का होना, हमेशा उदास रहना, संवेदनहीन और चिड़चिड़े रहना, बार-बार जोश में आना आपको नजर आ सकते हैं। एकल परिवारों में माता-पिता इतने व्यस्त होते हैं कि उनके पास बच्चों से बात करने का ज्यादा समय नहीं होता। वे अक्सर इस बात पर भी नजर नहीं रख पाते कि बच्चे क्या कर रहे हैं, क्या खेल रहे हैं, उनके दोस्त कौन-कौन से हैं।

दृष्टि कोण

नदिया तू सागर हो जा...

संत कबीर की वाणी में हमेशा एक ही संदेश होता है, और वह संदेश है कि सारी कायनात उसी परमात्मा की रचना है, और परमात्मा को किसी विधि-विधान की जरूरत नहीं है, किसी लाउडस्पीकर की जरूरत नहीं है, किसी व्रत-उपवास की जरूरत नहीं है, किसी तीर्थ यात्रा की जरूरत नहीं है, किसी मंदिर-मस्जिद-चर्च की जरूरत नहीं है। परमात्मा को तो प्रेम, समर्पण और श्रद्धा चाहिए। बुद्ध हों, कबीर हों, गुरु नानक हों या संत रविदास हों, सबने एक ही बात कही है। शब्द अलग हो सकते हैं, होते ही हैं, पर संदेश एक ही है, और संदेश यह है कि व्रत, उपवास, मंदिर, मस्जिद, चर्च, कर्मकांड आदि सब शुरुआती खिलौने हैं, ये आध्यात्मिकता की प्री-नर्सरी के खिलौने हैं। असली आध्यात्मिक निश्छल अनासक्त प्रेम में है, सबके लिए प्रेम में है, इनसान और जीव जगत ही नहीं, जड़-चेतन, पशु-पक्षी, पेड़-पौधे आदि सबके लिए प्रेम, निश्छल प्रेम, अनासक्त प्रेम ही आध्यात्मिकता है। यह प्रेम किसी जान-पहचान का मोहताज नहीं है, किसी लेन-देन का मोहताज नहीं है, किसी रिश्ते का मोहताज नहीं है, बस प्रेम है, सबके लिए है, और सबके लिए एक समान प्रेम है। इस प्रेम का कोई कारण नहीं है, यह बस छलकता ही रहता है, अनायास। संत कबीर कहते हैं कि इस प्रेम के लिए किसी तीर्थ पर जाने की जरूरत नहीं है, जप, तप, व्रत, उपवास की जरूरत नहीं है, इसके लिए तो परमात्मा में आस्था की जरूरत है, उस आस्था में विश्वास की जरूरत है, और इस ब्रह्मांड के जीव जगत ही नहीं, बल्कि हर जड़-चेतन के प्रति प्रेम की जरूरत है, उसके सम्मान की जरूरत है। इतना ही काफी है। गुरु नानक देव जी कहते हैं कि मैं जो कुछ भी करता हूं, वही पूजा है, और अपने कामों के लिए जहां कहीं भी जाता हूं, वही परमात्मा की प्रदक्षिणा है, क्योंकि परमात्मा तो हर जगह है, हर गति में, चलने-फिरने में, मूवमेंट में, उसी परमात्मा की प्रदक्षिणा हो रही है। मुझे परमात्मा की अर्चना के लिए कोई दीपक या धूप-बत्ती जलाने की भी आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यह सारा ब्रह्मांड ही परमात्मा की आरती कर रहा है। सूर्य, चंद्रमा और ये अनगिनत तारे दीपक हैं, यह सुगंधित-सुवासित हवा धूप-अगरबत्ती है। हम सब मानते ही हैं कि जर्रे-जर्रे में उसी परमात्मा का नूर है। फूल में, पौधे में, पेड़ में, हिरन में, बाघ में, इनसान में, सूर्य में, चंद्र में, तारों में, आकाश में, हवा में भगवान है, तो मिट्टी में, पत्थर में, लोहे में, लकड़ी में, पेड़ से टूट कर गिरे सूख चुके पत्ते में भी वही परमात्मा है, उसी का नूर है। वो खुदा जिसका नूर जर्रे-जर्रे में जगमगाता है, और वो पत्ता जो पेड़ से टूट कर, गिर कर सूख गया है, उसमें भी उसी का अक्स मुस्कुराता है। आध्यात्मिकता तब होती है, जब यह सच समझ में आ जाता है। प्रेम क्या है? जिसे 'ढाई आखर प्रेम का' कहा गया है, वह असल में क्या है, उसकी पहचान क्या है, उसकी खूबी क्या है? गौतम बुद्ध की शिक्षाओं में कहा गया है कि जब प्रेम पूर्णतः निरासक्त हो, अकारण हो, सबके लिए हो, सार्वभौम हो, करुणामय हो, सामने वाले की खुशी में हम खुश होते हों, सामने वाले की सहायता करते हुए हम सहानुभूतिपूर्ण हों और हमें सच्ची खुशी हासिल हो, उसमें अहसान की भावना न हो, अहंकार की भावना न हो, और यह प्रेम और सहायता की भावना सबके लिए हो, तभी वह सच्चा प्रेम है। सवाल उठता है कि निरासक्त स्नेह वाले प्रेम का अभ्यास कैसे हो? प्रेम का अभ्यास करने के लिए हमें पहले खुद से प्यार करना सीखना चाहिए। उसके बाद वही प्रेम परिवार के सभी सदस्यों के लिए जगाना सीखना चाहिए। यह इतना परिपक्व और निष्पक्ष हो कि सास-बहू, देवरानी-जेठानी आदि रिश्तों में भी वैमनस्य, संपत्ति के लिए षड्यंत्र आदि तिरोहित हो जाएं। उसके बाद पड़ोसियों, गांवों या कस्बों, फिर पूरे देश और आखिरकार पूरी दुनिया में सभी प्राणियों के बीच प्रेम और कृपा के विस्तार का नाम ही सच्चा प्रेम है। जब हम सबसे प्रेम करने लगते हैं, अनायास प्रेम करने लग जाते हैं, बिना किसी उद्देश्य के और बिना किसी लालच के प्रेम करने लग जाते हैं तो हमारा हाथ हमेशा किसी जरूरतमंद की सहायता के लिए बढ़ा ही रहता है। अक्सर हम पढ़ते सुनते आए हैं कि दान किसी सुपात्र को ही देना चाहिए। हम 'सहज संन्यास मिशन' के अनुगामी संन्यासी इसे एक बिल्कुल ही अलग नजरिये से देखते हैं। हम यह मानते हैं कि दान देने के लिए लेने वाले की पात्रता नहीं देखी जाती, इसके बजाय देखना यह होता है कि देने वाला सुपात्र है या नहीं। महत्वपूर्ण यह है कि देने वाला किस भावना से दे रहा है, किस मन्शा से दे रहा है, किस लालच के वशीभूत होकर दे रहा है। देने वाले को सुपात्र होना चाहिए। हम एक और भ्रम में जी रहे हैं कि यह संसार दुखों का घर है। गुरु नानक देव जी ने जब 'नानक दुखिया सब संसार' कह कर एक सार्वभौम समस्या की तरफ इशारा किया तो 'सो सुखिया जो नाम अधार' कह कर इस समस्या का हल भी साथ ही बता दिया। गौतम बुद्ध ने कहा कि दुख है, दुख का कारण भी है, पर इस दुख से पूर्ण रूप से छुटकारा हो सकता है और यह दुख ही असल में मुक्ति का मार्ग है, क्योंकि यह दुख हमें घमंड से दूर करता है, विनम्र होना सिखाता है, कृतज्ञ होना सिखाता है।

कुछ अलग

तेरे वादे पर जिए हम...

जो शुरू ही नहीं हुआ, उसे आपने खत्म घोषित कर दिया। आज पूरा देश जैसे माला पहनने और पुष्पित अभिनंदन करवाने की जल्दबाजी में लगा नजर आता है। यहां तो उनका उद्घाटन और अभिनंदन कर देने की प्रथा एक साथ बनती नजर आती है। यह केवल स्व नियोजित साहित्य समारोहों में ही नजर नहीं आता, कि आप अपने पैसे से पुस्तक छपवाएं और उसके लोकार्पण के दिन ही अपना अभिनंदन भी करवा लें। इन किताबों के शीर्षक उछालने में भी कोताही नहीं होती। जुमा जुमा आठ दिन हुए साहित्य से लुकाछिपी खेलते हुए और पुस्तक के आवरण पर शीर्षक जमा दिया, 'इस देश के सर्वश्रेष्ठ लेखक।' इतना ही क्यों, कुछ तो यहां अपने आपको विश्व के चुनिंदा लेखकों में से घोषित करते नजर आते हैं। तबीयत नहीं भरी तो इससे आगे जा इस सदी, इक्कीस सदी का सरताज लेखक घोषित कर दिया। यह न पूछ लेना कि आपको यह विशेषण घोषित करने का अधिकार किसने दिया। यह किसी ऐसे निर्णायक मंडल के महानुभावों का नाम ले देंगे, जो स्वयं भी बरसों साहित्य की पहचान के चौराहे पर ठिठके-ठिठके व्यतीत हो गए। जनाब, आजकल महामारी के दिनों में सामाजिक अंतर रख कर जीने का रिवाज बन गया है। इसलिए आपके साहित्य के लिए पाठक वर्ग और आपकी किसी अन्य उपलब्धि के लिए करतल ध्वनि से तालियां बजाते दर्शक वर्ग की जरूरत ही नहीं रही। ऑनलाइन वैबिनार आयोजित कीजिये, इंटरनैट पर अवतरित होकर कल्पना कीजिये कि आप लाखों घरों में एक साथ प्राकशित हो गए। ऑनलाइन इन सम्मान समारोहों ने तो कल पैदा हुए लोगों को भी अंतरराष्ट्रीय व्यक्तित्व बना दिया। बस कल्पना कीजिये, कि लाखों लोग आपके प्रभावशाली व्यक्तित्व का स्वागत कर रहे हैं। आपकी बात कम सुनते हैं, बस तालियां पीटते जा रहे हैं। वैसे बन्धु, आपके पास कहने के लिए था भी क्या, बस इस काबिलेगौर जिक्र के कि आप जैसा अभिभूत कर देने वाला व्यक्तित्व न कोई पिछले जन्म में था, न कोई अगले जन्म में होगा। इस गुजरते जन्म में तो आपकी शोभा अनिवर्चनीय है ही। जी नहीं, यह बात केवल स्व-प्रचारित लेखकों, नाटक अभिनेताओं, खिलाडियों या गायकों के लिए ही नहीं हो रही। रातोंरात चोला बदल कर अपने महान अवतरण की घोषणा करने वाले आज आपको हर क्षेत्र में नजर आते हैं। कल तक जो सरहदों पर तस्करी और सरकारी दफ्तरों में दलाली खा आपको काम करवा देने का भरोसा दे रहे, आज वही हर प्रकार के असामाजिक, अनैतिक धंधों के विरुद्ध आवाज बुलंद करते नजर आते हैं। आपके सामने भेंट किए गए पैसों को खुर्द-बुर्द कर वे 'रिश्वत लेना और देना गुनाह है' का नारा लगा सामाजिक शुचिता के लिए बलिहान हो जाने का तेवर दिखाते हैं। 'जब तक किसी आरोपी पर आरोप प्रमाणित न हो जाए, वह न तो अपराधी है और न उसे दंड दिया जा सकता है।' बस कानून की इसी पतली गली का इस्तेमाल करके ही आज केवल नेता भवन और पार्टी कार्यालय ही नहीं देश की विधानसभाएं और संसद तक इन मुजरिम चेहरों से भरी नजर आती है। न ये आरोपित अपराधी प्रमाणित होंगे और न ही इन्हें देश का दंड विधान, कानून के रखवालों और समाज के भद्र लोगों की श्रेणी से बाहर कर सकेगा। देश की जिस युवा पीढ़ी को वास्तव में कानून का रखवाला बनना चाहिए था, या अपने सजग चिंतन के साथ समाज को नया रूप देते हुए दिखना चाहिए था, वह भी हैं, पहले रोजगार मेलों का कतारों में खड़े होकर अपने लिए रोजगार की दिलासा प्राप्त कर रहे थे। अब ऑनलाइन रोजगार मेलों में घोषणाओं के भ्रमजाल में जी रहे हैं।

देश दुनीया से

खेल भावना में 'राष्ट्र प्रथम' सर्वोपरि रहे

विश्व के प्रत्येक खिलाड़ी का सपना इन खेलों में भाग लेकर अपने तथा अपने राष्ट्र के लिए पदक जीतना रहता है। जुआन एंटोनियो समारांच अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के पूर्व अध्यक्ष के अनुसार, 'खेल मित्रता है, खेल स्वास्थ्य है, खेल शिक्षा है, खेल जीवन है और खेल विश्व को एक साथ लाते हैं।' प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस 23 जून को मनाया जाता है। इस बार 2024 में इस दिवस का विषय 'चलो चलें और जश्न मनाएं' (लेट्स मूव एंड सेलिब्रेट) था। अंतरराष्ट्रीय खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का पदक तालिका में प्रदर्शन कोई ज्यादा उत्साहवर्धक नहीं रहा है। भारत का ओलंपिक खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हॉकी में रहा है जिसमें भारत ने 8 बार स्वर्ण पदक जीते हैं। पिछले टोक्यो ओलंपिक में हमारा 48वां स्थान था जबकि इस बार खिलाड़ियों के प्रशिक्षण एवं तैयारियों पर लगभग 500 करोड़ रुपए खर्च किए गए।

विश्व में प्रायः खेलों की अनेक प्रतिस्पर्धाएं प्रतिवर्ष अलग-अलग नामों से आयोजित की जाती हैं, जिनमें ओलंपिक खेलों को खेलों के महाकुंभ का दर्जा दिया गया है। विश्व के प्रत्येक खिलाड़ी का सपना इन खेलों में भाग लेकर अपने तथा अपने राष्ट्र के लिए पदक जीतना रहता है। जुआन एंटोनियो समारांच अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के पूर्व अध्यक्ष के अनुसार, 'खेल मित्रता है, खेल स्वास्थ्य है, खेल शिक्षा है, खेल जीवन है और खेल विश्व को एक साथ लाते हैं।' प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस 23 जून को मनाया जाता है। इस बार 2024 में इस दिवस का विषय 'चलो चलें और जश्न मनाएं' (लेट्स मूव एंड सेलिब्रेट) था। अंतरराष्ट्रीय खेलों में भारतीय खिलाडियों का पदक तालिका में प्रदर्शन कोई ज्यादा उत्साहवर्धक नहीं रहा है। भारत का ओलंपिक खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हॉकी में रहा है जिसमें भारत ने 8 बार स्वर्ण पदक जीते हैं। पिछले टोक्यो ओलंपिक में हमारा 48वां स्थान था जबकि इस बार खिलाडियों के प्रशिक्षण एवं तैयारियों पर लगभग 500 करोड़ रुपए खर्च किए गए। पेरिस ओलंपिक में 117 सदस्यीय खिलाडियों की टीम वाले भारत ने केवल छह पदक जीते हैं, जिनमें एक रजत और पांच कांस्य शामिल हैं। वहीं संयुक्त राज्य अमेरिका 40 स्वर्ण, 44 रजत, 42 कांस्य पदकों और कुल 126 पदकों के साथ पहले स्थान पर रहा। अगले 34वें ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों का आयोजन 2028 में अमरीकी शहर लॉसएंजिल्स में होगा। ओलंपिक खेलों का इतिहास काफी पुराना है, लगभग 1200 वर्ष पूर्व प्राचीन ओलंपिक खेलों का आयोजन करवाया गया था। चूंकि यह खेल यूनान की राजधानी एथेंस के निकट ओलंपिया पर्वत के आसपास आयोजित किए गए थे, इसलिए 1896 में पुनः शुरू हुई इन खेलों का नाम भी ओलंपिक खेल रखा गया था, जिसमें उत्तरोत्तर बदलावों को लाकर इन खेलों को बेहद आकर्षक, रोमांचक एवं प्रतिस्पर्धात्मक बनाया जाता रहा है। ओलम्पिक खेलों के जनक बेरॉन पियरे डी कोबर्टीन के सुझाव पर 1913 में ओलम्पिक ध्वज का सृजन हुआ था और जून 1914 में इसका विधिवत उद्घाटन पेरिस में हुआ था। इस ध्वज को सर्वप्रथम 1920 के एंटवर्प ओलम्पिक में फहराया गया। ध्वज की पृष्ठभूमि सफेद है, सिल्क के बने ध्वज के मध्य में ओलम्पिक प्रतीक के रूप में पांच रंगीन एक-दूसरे से मिले हुए छल्ले दर्शाए गए हैं, जो विश्व के 5 महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व करने के साथ ही निष्पक्ष एवं भेदभाव से मुक्त स्पर्धा का प्रतीक भी हैं। नीला चक्र यूरोप, पीला चक्र एशिया, काला चक्र अफ्रीका, हरा चक्र ऑस्ट्रेलिया और लाल चक्र उत्तरी एवं दक्षिणी अमरीका महाद्वीपों को दर्शाता है। सन्-1897 में फादर डिडोन द्वारा लेटिन भाषा में रचित 'सिटियस, अल्टीयस, फोर्टियस' को ओलम्पिक के उद्देश्य के रूप में अपनाया गया था जिसका अर्थ है तेज, ऊंचा, बलवान। इसको पहली बार 1920 में ओलम्पिक के उद्देश्य के रूप में एंटवर्प (बेल्जियम) ओलम्पिक खेलों में प्रस्तुत किया गया था। इसी के साथ ओलम्पिक मशाल को जलाने की शुरुआत 1928 से एम्स्टर्डम ओलम्पिक से हुई थी। 1936 में बर्लिन ओलम्पिक में मशाल के वर्तमान स्वरूप को अपनाया गया था। उसी समय से मशाल को आयोजन स्थल तक लाने का प्रचलन भी शुरू हुआ। इस बार पेरिस ने तीसरी बार 1900, 1924 और 2024 में 33वें ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों की मेजबानी की है। पेरिस ओलंपिक में 32 खेलों की 48 विधाओं की स्पर्धाओं के लिए 329 पदक दांव पर रहे, जिसमें 206 देशों के लगभग 10500 खिलाडियों ने भाग लिया। वर्ष दर वर्ष भारत में खेलों के उन्नयन एवं खिलाडियों की नई पौध को तैयार करने के दावे किए जाते रहे हैं, लेकिन स्कूली स्तर पर खिलाडियों की नर्सरी तैयार करने के दावे अभी भी फीके ही हैं। गांव, कस्बों में तो कोच, खेल परिसर, खेल मैदानोंस जिम एवं अन्य सुविधाओं का नितांत अभाव है ही, वहीं खेलों को एक कॅरियर चॉइस के रूप में अपनाने के लिए युवाओं को तैयार करने के लिए समयबद्ध तैयारी एवं खुले मन से धन आवंटन की दरकार भी है। इस कटु सत्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि आज बड़ी संख्या में युवा वर्ग नशीले पदार्थों के सेवन से अपनी शारीरिक एवं मानसिक सेहत से खिलवाड़ कर रहा है, जिससे उनके घरवाले एवं समाज अलग परेशान हैं। पुलिस नशीले पदार्थों के व्यापार में संलग्न लोगों पर पूरी तरह से नकेल कसने में कामयाब नहीं हो पा रही है। ऐसे समय में यह आवश्यक हो जाता है कि केंद्र एवं राज्य सरकारें युवाओं की ऊर्जा को खेलों एवं अन्य साहसिक गतिविधियों में नियोजित करने के लिए मुक्त हस्त से बजट आबंटन कर पंचायत स्तर तक खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचा तैयार करें और गांव से राष्ट्र स्तर तक योग्य प्रतिभाशाली खिलाडियों की पौध तैयार करने पर निवेश करें।

आप का नजरीया

कहां जाएं बेटियां-बहनें

प्रख्यात क्रिकेटर सौरव गांगुली को भी विरोध-प्रदर्शन के लिए सडक़ पर उतरना पड़ा है। पत्नी डोना गांगुली भी उनके साथ होंगी। उन्हें बर्बर बलात्कार, महिलाओं पर अत्याचार और कार्यस्थलों पर असुरक्षा सरीखे मुद्दों पर विरोध जताना पड़ा है, क्योंकि सौरव-डोना भी एक बेटी के माता-पिता हैं। इधर कुछ घटनाओं ने उनकी आत्मा को झकझोर दिया है। सर्वोच्च अदालत में प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में तीन न्यायाधीशों की पीठ कोलकाता रेप-मर्डर कांड की सुनवाई कर रही है। सर्वोच्च अदालत ने इस कांड का स्वतः संज्ञान लिया है। बंगाल सरकार और पुलिस को खूब फटकार लगाई है और उनकी भूमिका पर कई सवाल उठाए हैं। सरकारें बड़ी मोटी खाल की होती हैं। फटकार का उन पर कोई असर नहीं पड़ता। बेशक संदर्भ कोलकाता अस्पताल में एक युवा ट्रेनी डॉक्टर के साथ बर्बर बलात्कार और बाद में हत्या का है, लेकिन शीर्ष अदालत का सरोकार राष्ट्रीय है। खासकर अस्पतालों में महिला डॉक्टर और नर्स आदि कैसे सुरक्षित रहें, इसके मद्देनजर एक टास्क फोर्स बनाने और अस्पतालों की सुरक्षा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को सौंपने के महत्वपूर्ण फैसले सुनाए गए हैं। प्रधान न्यायाधीश की यह टिप्पणी देशवासियों की आत्मा में लगातार गूंजती रहनी चाहिए कि बदलाव के लिए देश एक और दुष्कर्म और हत्या का इंतजार नहीं कर सकता। टास्क फोर्स को अपनी अंतरिम रपट तीन सप्ताह में देनी है और अंतिम रपट दो माह की अवधि में देनी है। फोर्स महिला सुरक्षा के उपाय सुझाएगी। गौरतलब यह है कि 'निर्भया कांड' के एक साल बाद पूर्व प्रधान न्यायाधीश जस्टिस जेएस वर्मा की अध्यक्षता में सख्त 'पॉक्सो एक्ट' बनाया गया। उसके बाद 'पॉश' (प्रिवेंशन ऑफ सेक्सुअल हैरासमेंट ऑफ वूमन एट वर्कप्लेस) एक्ट बनाया गया। फांसी की सजा का प्रावधान रखा गया। क्या इन कानूनों ने बलात्कारियों को डराया? हमारी व्यवस्था में कई विसंगतियां हैं। करीब 2.43 लाख केस फास्ट ट्रैक कोर्ट में लंबित पड़े हैं। इनमें पॉक्सो केस भी हैं। हर रोज बलात्कार के केस आ रहे हैं और सरकारें फास्ट ट्रैक कोर्ट के आश्वासन देती रहती हैं। पीड़िता को इंसाफ मिलना बहुत दूर की कौड़ी है। बहरहाल अब मौजूदा संदर्भ में सर्वोच्च अदालत के अंतिम फैसले की प्रतीक्षा है, लेकिन आदमी की 'पाशविक हवस' अब दरिंदगी की हदें भी पार कर चुकी है। हम बलात्कारियों, हत्यारों को इनसान नहीं मान सकते, वे 'जानवर' से भी अधिक खौफनाक हैं। अब हालात ये बन गए हैं कि बेशक बेटी 3-4 साल की हो और स्कूल जाना शुरू ही किया हो। बेटी बड़ी होकर कॉलेज में पढ़ती हो अथवा गहन पढ़ाई करके डॉक्टर बनी हो और एक सरकारी अस्पताल में कार्यरत हो। बेटी कहीं जाने के लिए राज्य परिवहन की बस में बैठी हो या बाजार में किसी काम से गई हो। उम्र 60 पार कर चुकी हो और विधवा महिला हो! अब ऐसी बेटियां, नाबालिग या बालिग लड़कियां अथवा उम्रदराज विधवा महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं। वे सामूहिक दुष्कर्म का शिकार हो रही हैं।

किसानों की जमीन हड़पकर दामाद को खुश करने में लगे रहते थे हुड्डा : नायब सैनी

कैथल (हिंस)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री रहते हुए भूपेंद्र सिंह हुड्डा दामाद को खुश करने के लिए कौड़ियों के भाव किसने की जमीन हड़प लेते थे। गुरुवार को कलायत विधानसभा में महारा हरियाणा-नॉन-स्टॉप हरियाणा जन आशीर्वाद रैली में बोलते हुए सीएम ने कांग्रेस पर जोरदार प्रहार किया। कलायत की विधायक कमलेश ढांडा द्वारा आयोजित रैली में नायब सैनी ने कहा कि हुड्डा हमारा हिसाब मांगते घूम रहे हैं, लेकिन हुड्डा के 10 साल के कार्यकाल के एक-एक मिनट का हिसाब मेरे पास है। किस तरह दलितों के घरों को जलाया गया, किस तरह युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ की गई। पंजाबियों पर अत्याचार किए गए। नायब सैनी ने कहा कि हुड्डा राज में भोले-भाले किसानों की जमीनों को कोडियों के भाव हड़प लिया जाता था और उल्टा किसानों पर ही केस दर्ज करवाकर दामाद को खुश किया जाता था। ऐसे आदमी हमारा हिसाब मांग रहे हैं, जिनका खुद का हिसाब ही बिगड़ा पड़ा है। नायब सैनी ने कहा कि मैं पंजाबी समाज को नमन करता हूं, जिस

पंजाबी समाज ने अपने खून से इस देश को सींचा है, उन पर कांग्रेस राज में कितने अत्याचार किए गए। अत्याचार सहकर भी वे देश को आगे बढ़ाने में लगे रहे, लेकिन आज कांग्रेस और भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उनके पुत्र उसी पंजाबी समाज के बारे में कहते हैं कि ये हमारी संस्कृति से मेल नहीं खाते, हुड्डा ने पंजाबियों को बाहरी बताकर उनका अपमान किया है। पंजाबी समाज उन्हें माफ नहीं करेगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी यहीं नहीं रुके और कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा जनता को बरगला रहे हैं और अनाप-शनाप झूठ बोल रहे हैं। हुड्डा भाजपा के 10 साल का हिसाब मांग रहे हैं, मैं कहना चाहूंगा कि मेरे 70 दिनों हिसाब भी इनसे सुना नहीं जाएगा। हमने जिस तरह मिशन मोड़ में काम करके युवाओं को नौकरी, किसानों के खाते में रुपये, सोलर पैनल, 100-100 गज के प्लॉट दिए हैं, उस तरह का काम हुड्डा ने अपने 10 साल के कार्यकाल में नहीं किया।

सर्व कर्मचारी संघ ने काली पट्टी बांध कर सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन

पलवल (हिंस)। सर्व कर्मचारी संघ ने गुरुवार को कर्मचारियों ने लंबित मांगों को लेकर काली पट्टी बांध कर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में बिजली निगम, सिंचाई विभाग, पीडब्ल्यूडी, पब्लिक हेल्थ, स्वास्थ्य विभाग, वन विभाग और पशुपालन विभागों में गेट मीटिंग कर विरोध जताया गया। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए जिला प्रधान राजेश शर्मा ने कहा कि सरकार ने मांगों कि अनदेखी की, जिस कारण कर्मचारियों में भारी गुस्सा है। सरकार ने अध्यादेश के जरिए हरियाणा रोजगार कौशिक निगम के माध्यम से विभिन्न विभागों में कार्यरत कच्चे कर्मचारियों को कथित सेवा सुरक्षा प्रदान करने के लिए जो प्रावधान किए हैं, वे सरकार के प्रचार के विपरीत हैं। 1.20 लाख कर्मचारियों को पक्का करने की घोषणा झूठी है। उन्हें न सेवा सुरक्षा दी गई है और न ही उनका वेतन बढ़ाया गया है। जबकि सरकार अध्यादेश के माध्यम से कच्चे कर्मचारियों को हमेशा ही कच्चा रखना चाहती है। संघ निरंतर कौशल रोजगार निगम को भंग करने की मांग कर रहा है। उनकी मांग है कि कच्चे कर्मचारियों को विभाग के पे रोल पर लिया जाए। उन्हें सारी सुविधा पक्के कर्मचारी के तौर पर दी जाएं।

राजस्थान में मंकीपॉक्स को लेकर अलर्ट जारी

जयपुर (हिंस)। अफ्रीका महाद्वीप के देशों समेत एशियाई देशों में फैल रहे मंकी पॉक्स वायरस के केस को देखते हुए केंद्र सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। इसे देखते हुए राजस्थान के चिकित्सा विभाग ने भी विदेश से आने वाले नागरिकों के लिए एहतियात बरतने के निर्देश दिए है। हाल ही के दिनों में फिलहाल मंकी पॉक्स का भारत में तो कोई केस सामने नहीं आया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से इमरजेंसी घोषित करने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने इसे लेकर सभी राज्यों को एडवाइजरी जारी की है। डॉक्टर्स का कहना है कि ये एक संक्रामक बीमारी है। इस वायरस की चपेट में आए मरीज के शरीर पर चने के जैसे बड़े-बड़े दाने आते है। इसके साथ ही मरीज को तेज बुखार के साथ मासपेशियां दुखने लगती है। डॉक्टरों के मुताबिक ये एक वायरल संक्रमण डिजीज है और एक दूसरे के संपर्क में आने से तेजी से फैलती है। मंकी पॉक्स से ग्रसित मरीजों में शुरुआती लक्षण फ्लू जैसे होते हैं। इनमें बुखार, बदन दर्द और शरीर पर दाने के अलावा कंपकंपी छूटना, थकान और सूजी हुई लिम्फ नोड्स शामिल हैं। ये लक्षण संक्रमण के पांचवें दिन

से 21वें दिन तक आ सकते हैं। एडवाइजरी में अफ्रीकी देशों से ट्रैवल करके आने वाले लोगों पर विशेष नजर रखने के लिए कहा है। अगर कोई विदेश से यात्रा करके आता है और उस व्यक्ति में इस तरह की बीमारी के लक्षण दिखते हैं। उसे तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। प्रशासन को सूचित करना चाहिए। इसी तरह अगर कोई संदिग्ध मिलता है। उसके सैंपल लेकर जांच के लिए भिजवाने और उसके संपर्क में आए लोगों पर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए है।

सहायक सांख्यिकी अधिकारी प्रतियोगी परीक्षा पच्चीस को

जयपुर (हिंस)। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से पच्चीस अगस्त को सहायक सांख्यिकी अधिकारी प्रतियोगी परीक्षा-2024 (कृषि विभाग) का आयोजन होगा। भर्ती परीक्षा का आयोजन प्रात: 11 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक जयपुर शहर के 32 केंद्रों पर होगा। जिसमें 8 हजार 848 अभ्यर्थी अपनी किस्मत आजमाएंगे। जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि परीक्षा के सुचारू एवं सफल संचालन के लिए कलेक्ट्रेट के कमरा नंबर 116 में एक नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। जिसका संचालन 23 अगस्त से 25 अगस्त तक किया जाएगा। नियंत्रण कक्ष 23 अगस्त एवं 24 अगस्त को प्रात: 10 बजे से सायं 5 बजे तक कार्य करेगा। वहीं 25 अगस्त को प्रात: 8 बजे से परीक्षा समाप्ति उपरान्त परीक्षा नियंत्रण कक्ष से संबंधित समस्त कार्य पूर्ण होने तक कार्य करेगा।

जन्माष्टमी पर श्रद्धालुओं को परेशानी न हो : महापौर मुनेश गुर्जर

जयपुर (हिंस)। राजधानी जयपुर के गोविंद देव जी मंदिर सहित अन्य मंदिरों में जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा और मंदिर में जन्माष्टमी को लेकर तैयारियां का दौर शुरू हो चुका है। इस दिन लाखों श्रद्धालु दर्शनार्थ पहुंचेंगे। मंदिर कमेटी के साथ-साथ जयपुर नगर निगम हेरिटेज ने भी सफाई और अन्य व्यवस्थाओं का काम संभाल लिया है। हेरिटेज की महापौर मुनेश गुर्जर ने गुरुवार को गोविंद देव जी मंदिर पहुंचकर गोविंद देव जी के दर्शन किए और महंत मानस गोस्वामी से मंदिर को लेकर चर्चा की। इस दौरान उनके साथ नगर निगम के अधिकारी भी रहे। महापौर ने सफाई और रोशनी की व्यवस्था के लिए अधिकारियों को आदेश दिया कि जन्माष्टमी पर किसी भी तरह की श्रद्धालुओं को परेशानी नहीं होनी चाहिए। गोविंद देव जी मंदिर से लेकर गोपीनाथ जी मंदिर तक पहुंची। यहां रास्ते में लोगों ने उन्हें समस्या बताई। उन्होंने अधिकारियों से साफ-सफाई करने नालियों की सफाई करने के निर्देश दिए। साथ ही रोड लाइटों को सही करने की निर्देश दिए। मुनेश गुर्जर ने बड़ी चौपड़, बापू बाजार, चौड़ा रास्ता, छोटी चौपड़, बड़ी चौपड़ होते हुए गोपीनाथ जी मंदिर तक का दौरा किया। इस दौरान गोपीनाथ जी की मंदिर के महंत से मुलाकात की। उनसे भी पूछताछ की जानकारी ली और समस्या निस्तारण का भरोसा दिलाया।

बैंक अपनी पहुंच बढ़ाकर विकसित भारत के संकल्प को साकार करें : निर्मला सीतारमण

उदयपुर (हिंस)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों से आह्वान किया है कि वे बैंकिंग पहुंच बढ़ाते हुए विकसित भारत के संकल्प को साकार करें। वह गुरुवार को उदयपुर के होटल लीला पैलेस में पश्चिम व मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहीं थीं। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं के माध्यम से आमजन को लाभ देने के लिए बैंक के सभी अधिकारी समन्वय से कार्य करें। वित्त मंत्री दो दिवसीय दौरे पर गुरुवार सुबह उदयपुर पहुंचीं। वित्त मंत्री के डबोक एयरपोर्ट पहुंचने पर प्रशासनिक एवं बैंकिंग अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। वहां से वे पिछोला किनारे स्थित होटल लीला पैलेस पहुंचीं। वहां उन्होंने पश्चिम-मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के चेयरमैन और उनके प्रायोजित बैंकों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में बैंकिंग क्षेत्र में आ

रही चुनौतियों से निपटने के लिए प्रभावी कार्य योजना बनाने पर चर्चा की गई। बैंकों की पिछले वित्तीय वर्ष की वार्षिक कार्ययोजना एवं प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में वित्तीय सेवाएं विभाग के सचिव एम नागराजू, अपर सचिव एमपी तंगीराला सहित नाबार्ड के चेयरमैन के बी शॉ, आरबीआई के कार्यपालक निदेशक जयंत कुमार दास, बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी देवदत्त चांद, बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रबंध निदेशक निधू सक्सेना, भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशक अश्विनी कुमार तिवारी ने अपने-अपने बैंकों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। साथ ही बैंकों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। बैठक में नाबार्ड, सिडबी, बैंक ऑफ बड़ौदा, भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, बैंक ऑफ इंडिया के नौ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के अधिकारियों के साथ ही पश्चिम मध्य क्षेत्र के छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, विदर्भ कोंकण ग्रामीण बैंक, बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, बड़ौदा गुजरात ग्रामीण बैंक, मध्यांचल ग्रामीण बैंक, मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक, सौराष्ट्र ग्रामीण बैंक, राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक, महाराष्ट्र ग्रामीण बैंक के अध्यक्षों ने भाग लेकर अपने-अपने बैंकों की प्रगति रिपोर्ट और आगामी कार्ययोजना से केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने दोपहर बाद एयरपोर्ट रोड स्थित स्मॉल इंडस्ट्रीज डवलपमेंट बैंक कार्यालय का निरीक्षण भी किया।

सिद्धू मूसेवाला की मौत के बाद रिलीज होगा उनका आठवां गीत

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के प्रसिद्ध गायक सिद्धू मूसेवाला की मौत के बाद उनका आठवां गीत 30 अगस्त को रिलीज होने जा रहा है। यह जानकारी सिद्धू मूसेवाला के सोशल मीडिया अकांउट पर गुरुवार को दी है। मूसेवाला के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर इस गाने का एक पोस्टर भी पोस्ट किया गया है। जिससे साफ है कि इस गाने का नाम अटैच है। इस गाने को स्टील बैंगलेज और फरैडो के सहयोग से पूरा किया गया है। सिद्धू मूसेवाला का यह इस साल का तीसरा गाना है, जो रिलीज होने जा रहा है। ये गीत सिद्धू मूसेवाला के यू-ट्यूब चैनल पर रिलीज होगा या स्टील बैंगलेज के चैनल पर, इसकी जानकारी अभी सिद्धू मूसेवाला टीम ने साझा नहीं की है।

मेरठ में 36 केंद्रों पर कड़ी निगहबानी के बीच होगी उप्र पुलिस भर्ती परीक्षा

मेरठ (हिंस)। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती की लिखित परीक्षा 23 अगस्त से कड़ी सुरक्षा के बीच होगी। मेरठ में इसके लिए 36 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। नकल माफिया और सॉल्वर गैंग को लेकर पुलिस की साइबर सेल, सर्विलांस सेल, एसटीएफ की टीमें अलर्ट मोड में है। पेपर लीक के कारण निरस्त हुई उत्तर प्रदेश पुलिस की लिखित परीक्षा दोबारा कराई जा रही है। 23, 24, 26, 30 और 31 अगस्त को लिखित परीक्षा का आयोजन होगा। इसके लिए मेरठ में 36 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। मेरठ में एक पाली में 17400 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। मेरठ में कुल एक लाख 74 हजार परीक्षार्थी परीक्षा देने के लिए आएंगे। मेरठ जिले में गौतमबुद्धनगर, हापुड़, गाजियाबाद, बुलंदशहर, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, शामली, मुरादाबाद, रामपुर, संभल, बिजनौर, अमरोहा तथा बिहार व मध्य प्रदेश के अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। कोषागार से परीक्षा केंद्रों पर पेपर पहुंचाने के लिए 36 सेक्टर मजिस्ट्रेट की टीम बनाई गई है। जिले के सभी केंद्रों के केंद्र

व्यवस्थापक, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, केंद्र प्रभारी तथा कक्ष निरीक्षकों को एसएसपी डॉ. विपिन ताडा व दीपक मीणा ने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। यातायात व्यवस्था के लिए एसपी ट्रैफिक राघवेंद्र कुमार मिश्र ने सभी पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए हैं। परीक्षा वाले दिन सभी परीक्षा केंद्रों के आसपास साइबर कैफे, फोटो स्टेट की दुकानें बंद रहेंगी। एसएसपी डॉ. विपिन तारा के अनुसार, इंटरनेट मीडिया की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। किसी को भी किसी प्रकार भी पेपर संबंधित सूचना आती है तो एसएसपी के नंबर पर कॉल कर बताएं। किसी भी प्रकार के भ्रम में न पड़ें। साइबर ठगी का शिकार न हों। पूरी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यह परीक्षा आयोजित की जा रही है। नकल माफिया और सॉल्वर गैंग से निपटने के लिए पुलिस प्रशासन ने पुख्ता तैयारी की है। पुलिस की साइबर सेल, सर्विलांस सेल, यूपी एसटीएफ की टीमें मेरठ में अलर्ट मोड पर है। पांच दिन चलने वाली भर्ती परीक्षा को लेकर पूरी सतर्कता बरती जा रही है।

राज्यसभा उप निर्वाचन नामांकन पत्रों की जांच पांच सही, एक रद्द

जयपुर (हिंस)। राजस्थान से राज्यसभा की एक सीट के लिए होने वाले उप निर्वाचन के लिए तीन प्रत्याशियों द्वारा भरे गए सभी छह नामांकन पत्रों की गुरुवार को विधानसभा में जांच की गई, जिसमें दो प्रत्याशियों के पांच नामांकन पत्र सही पाए गए। एक प्रत्याशी के नामांकन पत्र को रद्द किया गया। पर्यवक्षक एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन की उपस्थिति में निर्वाचन अधिकारी महावीर प्रसाद शर्मा और सहायक निर्वाचन अधिकारी संजीव कुमार शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार रवनीत सिंह के चार नामांकन पत्र, भारतीय जनता पार्टी से प्रतिस्थापन उम्मीदवार के रूप में सुनील कोठारी के एक नामांकन पत्र और निर्दलीय बबीता वाधवानी के एक नामांकन पत्र की उम्मीदवारों के निर्वाचन अभिकर्ताओं और अधिकृत व्यक्तियों के समक्ष बारीकी से जांच की गई। निर्दलीय बबीता वाधवानी का नामांकन पत्र रद्द किया गया। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नामांकन पत्रों की जांच की वीडियोग्राफी भी की गई। 27 अगस्त को दोपहर तीन बजे तक उम्मीदवार अपने नामांकन वापस ले सकते है।

हिंदू रक्षा समिति ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों को लेकर निकाला जुलूस

जालौन (हिंस)। हिंदू रक्षा समिति के बैनर तले गुरुवार को सैकड़ों की संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचारों को लेकर मौन जुलूस निकाला। समिति ने इस संबंध में प्रधानमंत्री संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपते हुए उनकी सुरक्षा और संरक्षण की मांग की। बता दें कि बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार गिरने के बाद वहां से सोशल मीडिया के जरिए तमाम वीडियो जारी हुए हैं। जिसमें देखा जा रहा है कि वहां पर रह रहे हिंदुओं के ऊपर लगातार अत्याचार कर उन्हें मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान किया जा रहा है। वहां पर मंदिरों को तोड़ा जा रहा है। वहां रह रहे हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक काफी पीड़ित है। उन्हें लगातार टारगेट किया जा रहा है। इसी को लेकर हिंदू रक्षा समिति के जिला अध्यक्ष आचार्य

तेजस के साथ सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने आज मौन जुलूस निकाला। जुलूस शहर के शहीद भगत सिंह चौराहा, अंबेडकर चौराहा, जिला परिषद होते हुए कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचा, जहां पर प्रधानमंत्री संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी राजेश पांडे को सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं की सुरक्षा और संरक्षण की मांग की है।

मुख्यमंत्री ने एनएच-77 के निर्माणाधीन मुजफ्फरपुर बाईपास का किया निरीक्षण, नए थाना भवन का किया उद्घाटन

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को मुजफ्फरपुर में हाजीपुर फोरलेन पर पकड़ी-पताही में निर्माणाधीन बाईपास एनएच 77 का निरीक्षण किया और कार्य की प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जल्द निर्माण कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने यहां परियोजना की समीक्षा की। इस दौरान पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने मुख्यमंत्री को प्रस्तुतीकरण के माध्यम से फोरलेन के निर्माण की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2010 में ही मुजफ्फरपुर-हाजीपुर बाईपास के निर्माण का फैसला लिया गया था, लेकिन जमीन अधिग्रहण सहित अन्य समस्याओं के कारण वर्ष 2012 से इस पर काम शुरू हुआ। इस फोरलेन के बचे हुए निर्माण कार्य को नवंबर तक पूर्ण करा लिया जाएगा। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बचे हुए कार्यों को तेजी से पूर्ण कराएं। उन्होंने कहा कि मुजफ्फरपुर में लगभग 17 किलोमीटर बाईपास के निर्माण से लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी। इस पथ से गोपालगंज होकर उत्तर प्रदेश जानेवाले लोगों को सुविधा होगी। सीतामढ़ी से सोनवर्षा जाना भी आसान हो जाएगा। साथ ही पटना-मुजफ्फरपुर को ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर के फोरलेन की भी कनेक्टिविटी मिलेगी। मुजफ्फरपुर के लोगों को जाम से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि इसके निर्माण से पटना से नेपाल जाना भी आसान हो जाएगा। मझौली से नेपाल को जोड़नेवाली सड़क एनएच 527-सी से भी आनेवाले वाहनों के लिए पटना आना-जाना आसान हो जाएगा। इसके बाद मुख्यमंत्री ने सकरी-सरैया में निर्माणाधीन तुर्की थाना भवन का निरीक्षण किया। तुर्की थाना परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने 15.03 करोड़ रुपए की लागत से मुजफ्फरपुर जिला के मॉडल थाना भवन जजुआर, मॉडल थाना भवन हत्था एवं एससी/एसटी विशेष थाना भवन का रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। साथ ही 32.76 करोड़ रुपए की लागत से 6 थाना भवन सहित 7 पुलिस भवनों का शिलान्यास भी किया। मुख्यमंत्री ने *जल-जीवन-हरियाली* अभियान के अन्तर्गत तुर्की थाना, कथैया थाना, रामपुर हरि थाना, पानापुर थाना, मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत महिला थाना, बेनीबाद थाना तथा बेला थाना में ग्रिड कनेक्टेड रूफ टॉप सोलर पॉवर प्लांट का भी शिलान्यास किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों के लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभुकों को चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल प्रदान किया। साथ ही 1479 सतत् जीविकोपार्जन योजना से जुड़े लाभार्थियों को 6 करोड़ 95 लाख रुपए का सांकेतिक चेक तथा विवाह प्रोत्साहन योजना के लाभार्थियों को भी सांकेतिक चेक प्रदान किया।

No.TBDB/15th FC/153/2020/490 *Dtd.21/08/2024*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing a non-refundable court fee stamp of Rs.8.25 (Rupees Eight & paisa twenty five) only eventually to be drawn in APWD, F-2 Form are invited from Govt. registered contractor / Firm of appropriate class with sound financial background fulfilling the eligibility criteria for execution of the different works as details shown in schemes. Particulars, Terms & Conditions and tender paper may be obtained from the office of the undersigned on any period mention working day on payment of non refundableRs. 400.00(Rupees four hundred) only in cash for each act of tender paper.

Period of collection of Tender documents	To be obtain from the office of the BDO Tihu-Barama on any working days/ hours upto 4.00PM 27/08/2024 from to 16/09/2024				
Last date and time for submission of tender	Sealed tenders in prescribed format for every individual work will be received by the office upto 2.00 Noon on 16/09/2024.				
Date & time of opening of tender	The sealed tenders will be opened at 2.30 PM on 16/09/2024				
Name of Works	SI. No.	Name of Schemes	Approx. Value of Work (Rs.)	Earnest Money (1%) for SC/ST(2%) for others	Time of Completion
	1.	Construction of Community Toilet at Rajib Nagar L P School	Rs 11,00,000.00	Rs 11,000.00	180 days
Approx (Estimated) Value of the work	Shown in the Scheme list				
Earnest Money	The Contractors / Farms have to enclosed 2 % Earnest money (1% of tender value ST/SC) with the tender paper as shown in the Scheme list. An amount of 0.03% wiil be submitted in Bank Draft in Favour Principal Secretary BTC ,Kokrajhar.				
Time of Completion	Shown in the Scheme list				
Eligibility criteria(Minimum)	The Contractor should have the experience of having successfully completed similar works during the last 5 years.				

The tender / tenders must be submitted with the requisite Earnest Money Deposit (EMD)in the form of deposit at call / Demand Draft to be drawn in favour of the BDO, Tihu-Barama Dev. Block payable at Barama. Tender not accompanied by the Earnest Money & Tender Cost is liable to be rejected.

Sealed tender in the prescribed tender form shall be addressed to the Block Dev. Officer Cum Chairman, Tender Committee, Tihu - Barama Dev. Block, Barama, Dist. Baksa, P.S.Barama, PIN-781346,Assam. Tender received after above date & time will not be accepted. The undersigned reserve the right to issue the tender papers to the tenderers and to accept or reject/ cancel any or all the tenders if the situation compel to do so without assigning any reason thereof and DOES NOT BIND HIMSELF TO ACCEPT THE LOWEST QUOTED RATE OF TENDER.

UNSEALED TENDER WILL SUMMERILY BE REJECTED.

Sd/-
Block Development Officer,
Tihu-Barama Dev. Block, Barama

IPR(BTC)/C/2024-25/363

भारत में धातु और इस्पात उद्योग की वृद्धि में एमसीएक्स के माध्यम से मिलेगा नया आयाम

कोलकाता। भारत में धातु और इस्पात उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका और दायरा निरंतर बढ़ता जा रहा है। इस उद्योग की प्रगति को और अधिक सशक्त बनाने के लिए मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) का शुभारंभ एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। यह कदम छोटे निर्माताओं को भी अंतरराष्ट्रीय व्यापार में बढ़ती संभावनाओं का लाभ दिलाने में सहायक होगा। एमएसएमई डेवलपमेंट फोरम और स्टार्ट अप एक्सेलेरेटर्स प्रेसेंट ने कोलकाता के एक पांच सितारा होटल में मेटल कॉन्क्लेव नामक एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में धातु और इस्पात क्षेत्र की विभिन्न स्तरों की कंपनियों के अधिकारी शामिल हुए।

ज्ञात हो कि 2006 में भारत सरकार ने माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइज (एमएसएमई) विकास अधिनियम के तहत इस क्षेत्र के नियम-कानून लागू किए थे। एमएसएमई डेवलपमेंट फोरम के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट विभोर टंडन ने इस अवसर पर कहा कि देश के कुल जीडीपी का 35 प्रतिशत से अधिक हिस्सा एमएसएमई से प्राप्त होता है। देश की बढ़ती जनसंख्या और विभिन्न प्रकार की सामग्रियों की मांग के साथ-साथ धातु और इस्पात उद्योग का महत्व भी तेजी से बढ़ रहा है। टंडन ने कहा कि एमसीएक्स के स्टैंडर्डाइजेशन एंड लिस्टिंग के बारे में कई लोगों की स्पष्ट समझ नहीं है। एमएसएमई डेवलपमेंट फोरम के लगभग 250 सदस्य और स्टार्ट अप एक्सेलेरेटर्स के लगभग 800 सदस्यों को इस उद्योग के विभिन्न अज्ञात पहलुओं के बारे में जागरूक करना हमारा मुख्य उद्देश्य है। इस कॉन्क्लेव में विभोर टंडन के अलावा चित्तरंजन रेगे, महेश अग्रवाल, टाटा स्टील के चीफ जनरल मैनेजर संजय बेहेरा भी शामिल हुए। चर्चा के दौरान कच्चे माल की कीमत, बिक्री मूल्य, तकनीकी बदलाव के साथ रोल ऑफ रेगुलेटर्स, प्राइस मैकेनिज्म जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे सामने आए। गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज, इन 3 प्रकार की सर्टिफिकेशन और उनके नियमों के बारे में भी जानकारी दी गई। यह भी बताया कि इन प्रमाणपत्रों के आधार पर केंद्र सरकार से सब्सिडी प्राप्त की जा सकती है। 20 निर्दिष्ट मानकों को पूरा करने पर गोल्ड सर्टिफिकेशन प्रदान किया जाएगा। धातु क्षेत्र में वित्तपोषण की भूमिका पर चर्चा में अभीक गुप्ता, ममता बिनानी, प्रज्ञा झुनझुनवाला आदि विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। इस चर्चा में जीएसटी जैसे वित्तीय और कर से संबंधित मुद्दों पर भी विचार किया गया। एक निजी कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी इंद्रजीत घोष ने मंच पर संक्षिप्त भाषण दिया। चर्चा में विभिन्न बैंकों और निजी कंपनियों के शीर्ष प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

कॉरपोरेट सेक्टर में घटते जा रहे हैं रोजगार, 4.2 फ़ीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। भारत के कारपोरेट सेक्टर में रोजगार के अवसर लगातार कम होते चले जा रहे हैं। पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2023-24 में रोजगार 4.2 फ़ीसदी घटकर मात्र 1.5 फ़ीसदी पर आ गया है। 2022-23 में रोजगार की दर 5.7 फ़ीसदी थी,जो अब घटकर 1.5 फ़ीसदी रह गई है। बैंक ऑफ़ बड़ौदा की ओर से जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। वर्ष 2022-23 में 3.33 लाख लोगों को रोजगार मिला था। पिछले वर्ष में यह संख्या घटकर 90840 रह गई है। रिपोर्ट में 1196 बड़े और मध्यम आकार की कंपनियों के रोजगार डाटा का विश्लेषण करने के बाद यह जानकारी सामने आई है। भारतीय उद्योग जगत में रोजगार वृद्धि का परिदृश्य बड़ी तेजी के साथ नकारात्मक होता जा रहा है। 2022-23 में पहली बार हायर ग्रोथ देखने को मिली थी। 2023-24 में यह नकारात्मक रूप से देखने को मिल रही है। बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने जो रिपोर्ट जारी की है। उसमें 603 कंपनियों के सर्वे के आधार पर जारी की गई है। रिपोर्ट के अनुसार रिटेल, सेल्स, ट्रेडिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर और रियल्टी सेक्टर में रोजगार मिला है। वही हॉस्पिटैलिटी, लॉजिस्टिक्स, बिजनेस सर्विस और टेक्सटाइल में नौकरियां घटी हैं। जो रोजगार के लिए चिंता का विषय है।

बीसी जिंदल समूह अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में करेगा प्रवेश

नई दिल्ली। बीसी जिंदल समूह ने भारत के अक्षय ऊर्जा (आरई) क्षेत्र में प्रवेश करने की गुरुवार को घोषणा की। उसने कहा कि इसमें अगले पांच साल में 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर निवेश किया जाएगा। कंपनी के बयान के अनुसार ओडिशा के अंगुल में 1,200 मेगावाट ताप विद्युत उत्पादन के मौजूदा खंड के साथ बीसी जिंदल समूह ने उसके अक्षय उद्यम के लिए एक समर्पित इकाई की स्थापना की है। बयान में कहा गया, समूह अगले पांच वर्षों में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में करीब 2.5 अरब डॉलर का निवेश करने की योजना बना रहा है। भारत का अग्रणी समूह बीसी जिंदल समूह अक्षय ऊर्जा उत्पादन और सौर सेल व मॉड्यूल विनिर्माण व्यवसायों की देखरेख करेगा। इसमें कहा गया, जिंदल इंडिया रिन्यूएबल एनर्जी (जेआईआरई) का लक्ष्य सौर, पवन, हाइब्रिड और एफडीआरई मोड से पांच गीगावाट बिजली उत्पन्न करना है। जेआईआरई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत की वर्तमान ऊर्जा आवश्यकता को पूरा करने के लिए ब्राउन एनर्जी अब भी प्रमुख हैं। हमारा लक्ष्य अपनी मौजूदा बिजली कंपनी की ताकत का लाभ उठाकर अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में एक प्रमुख इकाई के तौर पर काम करना है। जेआईआरई, बीसी जिंदल समूह के अंतर्गत काम करती है। इसकी स्थापना 1952 में बीसी जिंदल ने की थी।

डॉबर इंडिया अपना विनिर्माण संयंत्र तमिलनाडु में स्थापित करेगी : मंत्री

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुएं बनाने वाली कंपनी डाबर इंडिया के राज्य के विल्लुपुरम जिले में 400 करोड़ रुपये खर्च कर विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की गुरुवार को घोषणा की। राज्य के उद्योग मंत्री टी.आर.बी. राजा ने कहा कि इसके लिए गुरुवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। राजा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, डाबर इंडिया तमिलनाडु में आपका स्वागत है। बल्कि दक्षिण भारत में आपका स्वागत है। राज्य के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन की उपस्थिति में विल्लुपुरम जिले के तिंडिवनम में एसआईपीसीओटी फूड पार्क में डाबर के साथ दक्षिण भारत में उसका पहला विश्व स्तरीय विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि कंपनी इस सुविधा में 400 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जिससे 250 से अधिक नौकरियों का सृजन होगा। राजा ने कहा कि इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे आसपास के डेल्टा क्षेत्र के किसानों के लिए कृषि उत्पाद बेचने के नए अवसर खुलेंगे।

लगातार छठे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 81 हजार के पार, निवेशकों को 1.27 लाख करोड़ का मुनाफा

सेंसेक्स 0.18 प्रतिशत और निफ्टी 0.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को लगातार छठे कारोबारी दिन बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। गुरुवार को कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ होने के बाद दिन के कारोबार में बिकवाली का दबाव बनने की वजह से शेयर बाजार की चाल में मामूली गिरावट भी आई लेकिन लिवाली का जोर बने रहने की वजह से शेयर बाजार लगातार हरे निशान में ही कारोबार करता रहा। बाजार की तेजी के कारण 2 अगस्त के बाद पहली बार सेंसेक्स 81 हजार अंक के ऊपर पहुंच कर खुला और पूरे दिन के कारोबार के बाद 81 हजार के स्तर के ऊपर ही बंद होने में सफल भी रहा। दिन भर की खरीद-बिक्री के बाद सेंसेक्स 0.18 प्रतिशत और निफ्टी 0.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

गुरुवार को कारोबार के दौरान टेलीकॉम, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मेटल, बैंकिंग और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। आईटी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.47 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार का अंत किया।

गुरुवार को बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में सवा लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 460.51 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 459.24 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को गुरुवार को कारोबार से करीब 1.27 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,053 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,454 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,509 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 90 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए।

एनएसई में गुरुवार को 2,378 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,460 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 918 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 25 शेयर हरे निशान में और 25 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 301.94 अंक के उछल कर 81,207.24 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलने के बाद से ही तेजडियों और मंदड़ियों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में लगातार उतार चढ़ाव होता रहा। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 331.15 अंक की मजबूती के साथ 81,236.45 अंक के स्तर तक पहुंचा। बिकवाली का दबाव बनने पर ये सूचकांक 80,954.02 अंक तक गिर भी गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 147.89 अंक की तेजी के साथ 81,053.19 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने गुरुवार को 93.20 अंक की मजबूती के साथ 24,863.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल भी ऊपर नीचे होती रही। लिवाली का समर्थन मिलने पर ये सूचकांक उछल कर 24,867.35 अंक तक पहुंचा लेकिन बिकवाली शुरू हो जाने पर इसने 24,784.45 अंक तक गोता भी लगा दिया। दिनभर हुई खरीद बिक्री के बाद निफ्टी 41.30 अंक की बढ़त के साथ 24,811.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ग्रासिम इंडस्ट्रीज 2.62 प्रतिशत, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 2.40 प्रतिशत, भारती एयरटेल 1.56 प्रतिशत, टाटा स्टील 1.46 प्रतिशत और आईसीआईसीआई बैंक 1.38 प्रतिशत की मजबूती के साथ गुरुवार को टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। टाटा मोटर्स 1.54 प्रतिशत, विप्रो 1.40 प्रतिशत, एनटीपीसी 1.37 प्रतिशत, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज 1.32 प्रतिशत और महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में आई मामूली गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोने के भाव में तेजी का रुख रहा। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में गुरुवार को मामूली गिरावट आई है। सोने के भाव में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 73 हजार रुपये का स्तर पार करके 73,360 रुपये से लेकर 73,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 67 हजार रुपये के स्तर को पार करके 67,260 रुपये से लेकर 67,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने के विपरीत चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 86,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना गुरुवार को 73,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 67,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 73,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह चेन्नई में भी 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 67,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना गुरुवार को 73,260 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 67,160 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 73,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना गुरुवार को 73,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 67,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 73,260 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 67,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 73,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी गुरुवार को सोने की कीमत में उछाल आया है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना गुरुवार को 73,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 67,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पंजाब के सीएम भारतीय कंपनियों के प्रमुख अधिकारियों से मिले

मुंबई। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने महाराष्ट्र के अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान कई भारतीय कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की और अपने पंजाब के लिए कई प्रमुख निवेश प्रस्तावों पर मुहर लगाई। सन फार्मास्यूटिकल्स, आरपीजी ग्रुप, सिफी टेक्नोलॉजीज और जेएसडब्ल्यू ग्रुप जैसे प्रमुख कॉरपोरेट उन कंपनियों में से थे, जिन्होंने पंजाब में निवेश करने या वहां अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने की इच्छा व्यक्त की।

मान से मुलाकात करने वाले शीर्ष उद्यमियों में सन फार्मास्यूटिकल्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड के एक्टिव फार्मास्यूटिकल्स इंग्रीडिएंट्स बिजनेस के सीईओ दामोदरन सतगोपन, आरपीजी ग्रुप के उपाध्यक्ष अनंत गोयनका, सिफी टेक्नोलॉजीज के अध्यक्ष दलीप कौल और जेएसडब्ल्यू स्टील कोटेड प्रोडक्ट्स लिमिटेड के बिजनेस प्रमुख अमरजीत सिंह दहिया और शामिल थे। उद्योगों के लिए रेड कारपेट बिछाने की पेशकश करते हुए मुख्यमंत्री ने पंजाब को अवसरों से भरपूर बताया और कंपनियों को वहां निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि राज्य तेजी से देश में एक औद्योगिक केंद्र के रूप में उभर रहा है और अपने औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए नए विचारों और नवाचारों को अपनाने के लिए तत्पर है।

मान ने कहा कि पंजाब में पूर्ण सामाजिक सद्भाव, शांति और सौहार्द है, जो मुख्य रूप से राज्य में समग्र विकास और समृद्धि के लिए जिम्मेदार है। राज्य हर क्षेत्र को निर्बाध बिजली प्रदान करने के अलावा उत्कृष्ट बुनियादी ढांचा, कुशल मानव संसाधन और सर्वोत्तम औद्योगिक और कार्य संस्कृतियां प्रदान करता है जो उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में अपने व्यवसाय का विस्तार करने में सक्षम बनाएंगी।

देश की जीडीपी ग्रोथ रेट पहली तिमाही में 6 फीसदी रहने का अनुमान : इक्रा

जून तिमाही की जीडीपी वृद्धि दर के आधिकारिक आंकड़े 30 अगस्त को

नई दिल्ली। घरेलू रेटिंग एजेंसी इक्रा ने सरकारी पूंजीगत व्यय में कमी तथा शहरी उपभोक्ता मांग में नरमी आने से देश की आर्थिक वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में छह फीसदी रहने का अनुमान जताया है। हालांकि जून तिमाही की जीडीपी वृद्धि दर के आधिकारिक आंकड़े 30 अगस्त को आएंगे।

निवेश सूचना और क्रेडिट रेटिंग एजेंसी इक्रा (आईसीआरए लिमिटेड) ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अप्रैल-जून तिमाही में छह फीसदी रहने का अनुमान है, जो पिछली छह तिमाहियों में सबसे कम है। इक्रा ने पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 6.8 फीसदी रहने की उम्मीद जताई है, जो वित्त वर्ष 2023-24 में दर्ज 8.2 फीसदी की ग्रोथ से कम है।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) मौजूदा वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-जून तिमाही की जीडीपी वृद्धि दर का आधिकारिक आंकड़ा 30 अगस्त, 2024 को जारी करेगा। इससे पिछले वित्त 2023-24 की अप्रैल-जून तिमाही में देश की आर्थिक वृद्धि दर 8.2 फीसदी रही थी। हालांकि, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) को चालू वित्त वर्ष में जीडीपी ग्रोथ 7.2 फीसदी और पहली तिमाही में वृद्धि दर 7.1 फीसदी रहने का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि आईसीआरए लिमिटेड एक भारतीय स्वतंत्र और पेशेवर निवेश सूचना और क्रेडिट रेटिंग एजेंसी है। इस कंपनी की स्थापना 1991 में हुई थी। इसका मूल नाम इन्वेस्टमेंट इंफॉर्मेशन एंड क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ऑफ इंडिया लिमिटेड था। हालांकि, इसे इक्रा के नाम से जाना जाता है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से गुरुवार को पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। ब्याज दर में कटौती होने की संभावना से उत्साहित अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र में के दौरान तेजी का माहौल बना रहा। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गुरुवार को मामूली गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। इसी तरह यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा सितंबर के महीने में ब्याज दरों में कटौती करने का साफ संकेत देने के बाद पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में उत्साह का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.42 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,620.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 102.05 अंक यानी 0.57 प्रतिशत उछल कर 17,918.99 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गुरुवार को फिलहाल 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 40,837.38 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,283.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.52 प्रतिशत उछल कर 7,524.72 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.50 प्रतिशत की मजबूती के साथ 18,448.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ

एशियाई बाजारों में गुरुवार को मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स 183.02 अंक यानी 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ 38,134.82 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 17,459.22 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 1,338.84 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,860.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,364.44 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स भी अभी तक के कारोबार में 0.40 प्रतिशत लुढ़क कर 22,149.03 अंक के स्तर तक आ गया है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स भी 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,698.14 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.47 प्रतिशत फिसल कर 7,519.24 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 2,855.56 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

कोल इंडिया महत्वपूर्ण खनिजों के अधिग्रहण के लिए प्रयासरत : अफसर

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) घरेलू बाजार और विदेशों में लिथियम समेत महत्वपूर्ण खनिजों के अधिग्रहण के लिए प्रयास कर रही है। यह बात हाल ही में कोल इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कही। कंपनी ने कहा है कि वह ऐसे ब्लॉक की नीलामी में भाग लेना जारी रखेगी।

लीथियम समेत महत्वपूर्ण खनिज, पवन टर्बाइन से लेकर इलेक्ट्रिक कारों तक स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इलेक्ट्रिक कारों के लिए बैटरी के उत्पादन के लिए इनकी खास तौर पर मांग है। कोल इंडिया के एक अधिकारी ने कंपनी की 50वीं वार्षिक आम बैठक के दौरान कहा कि लीथियम, कोबाल्ट जैसे महत्वपूर्ण खनिजों के आयात पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से कंपनी भारत और विदेशों में इन खनिज परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सीआईएल खान मंत्रालय द्वारा पेश किए गए महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी में भाग लेना जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि सीआईएल ने घरेलू महत्वपूर्ण खनिज परिसंपत्ति में सफलतापूर्वक अपना खाता खोला है और मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले में खट्टाली छोटी ग्रेफाइट ब्लॉक के लिए पसंदीदा बोलीदाता के रूप में उभरी है। यह कंपनी का पहला गैर-कोयला खनिज खनन उद्यम होगा। यह उपलब्धि खान मंत्रालय द्वारा नौ जुलाई को आयोजित द्वितीय चरण की नीलामी के तहत हासिल की गई।

यूटीटी 2024 : बेंगलुरु स्मैशर्स ने अल्वारो रॉबल्स को कप्तान नियुक्त किया

चेन्नई। अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) 2024 में स्टार स्पेनिश पैडलर अल्वारो रॉबल्स बेंगलुरु स्मैशर्स टीम की कप्तानी करेंगे। यूटीटी 2024 की शुरुआत शुक्रवार को चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में हो रही है, पहले मैच में चेन्नई लायंस का सामना बेंगलुरु स्मैशर्स की टीम से होगा।

33 वर्षीय रॉबल्स प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की एक टीम का नेतृत्व करेंगे, जिसमें भारतीय शीर्ष खिलाड़ी मनिका बत्रा, यूएसए की सनसनी लिली झांग, युवा जीत चंद्रा और तनीषा कोटेचा और बेहद अनुभवी अमलराज एंथोनी शामिल हैं। रॉबल्स अल्टीमेट टेबल टेनिस में अपने चौथे वर्ष में हैं और पीबीजी बेंगलुरु स्मैशर्स के साथ उनका यह पहला वर्ष है। दो बार के ओलंपियन, रॉबल्स ने पिछले सीज़न के यूटीटी फ़ाइनल में शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें भारतीय महान अचंता शरथ कमल को 3-0 से हराया था।

पीबीजी बेंगलुरु स्मैशर्स के मालिक पुनीत बालन ने कहा, हम अल्वारो रॉबल्स को पीबीजी बेंगलुरु स्मैशर्स का कप्तान बनाकर बहुत खुश हैं। अल्वारो का ट्रैक रिकॉर्ड अपने आप में बहुत कुछ कहता है - वह एक सिद्ध चैंपियन हैं और उनके पास लीडर का दिल है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और इस लीग में उनका अनुभव उन्हें हमारी टीम का नेतृत्व करने के लिए एकदम सही विकल्प बनाता है। हम एक ऐसी टीम बनाने में विश्वास करते हैं जो उत्कृष्टता और टीमवर्क का प्रतीक हो, और अल्वारो के नेतृत्व में, हम इस बात को लेकर उत्साहित हैं कि इस सीज़न में स्मैशर्स के लिए क्या होने वाला है।

रॉबल्स की उल्लेखनीय उपलब्धियों में हंगरी के बुडापेस्ट में 2019 विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप में ऐतिहासिक रजत पदक शामिल है, जिससे वह इस खेल में इतनी ऊंचाइयों तक पहुंचने वाले पहले स्पेनिश खिलाड़ी बन गए। इसके अलावा, टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक में स्पेन का प्रतिनिधित्व करने वाले रोबल्स ने 2020 में भूमध्यसागरीय खेलों का स्वर्ण पदक जीता और हमवतन मारिया ज़यिाओ के साथ मिलकर उसी वर्ष आईटीटीएफ चैलेंजर सीरीज़ इवेंट में फ़ाइनल में पहुँचने वाले पहले स्पेनिश खिलाड़ी बने।

टीम का नेतृत्व करने के लिए चुने जाने पर रॉबल्स ने कहा, पीबीजी बेंगलुरु स्मैशर्स का कप्तान चुना जाना एक बहुत बड़ा सम्मान है। अल्टीमेट टेबल टेनिस जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में खिलाड़ियों के इतने प्रतिभाशाली समूह का नेतृत्व करना एक चुनौती है जिसे मैं स्वीकार करने के लिए उत्सुक हूँ। हमारे पास एक मजबूत टीम है, और मेरा मानना है कि हमारे अनुभव और युवा प्रतिभा का मिश्रण हमें एक मजबूत दावेदार बना देगा।

यूटीटी में तीसरी बार, रॉबल्स डच कोच एलेना टिमिना के अधीन काम करेंगे, जिन्होंने पिछले साल अपनी टीम को यूटीटी चैंपियन बनने के लिए प्रशिक्षित किया था। टिमिना अपने विशाल अनुभव को डेब्यू करने वाले भारतीय कोच अंशुमान रॉय के साथ खिलाड़ियों तक पहुँचाएंगी, जिसमें रोबल्स कोच के प्रतिनिधि होंगे। रॉबल्स की कप्तानी पर, टिमिना ने कहा, मैं अल्वारो रॉबल्स को फिर से कोचिंग देने के लिए रोमांचित हूं, खासकर टीम कप्तान की ऐसी महत्वपूर्ण भूमिका में।

न्यूज ब्रीफ

काउंटी चैंपियनशिप 2025 में ससेक्स के लिए नहीं खेलेंगे चेतेश्वर पुजारा

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट विशेषज्ञ बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा अगले साल काउंटी चैंपियनशिप के लिए ससेक्स की टीम का हिस्सा नहीं होंगे, क्योंकि इंग्लिश क्लब ने उन्हें हटाकर आस्ट्रेलियाई डेनियल ह्यूजेस की सेवाएं बरकरार रखने का फैसला किया है। बाएं हाथ के ह्यूजेस अगले सत्र में सभी चैंपियनशिप और टी20 विटैलिटी ब्लास्ट मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे। क्लब ने यह भी घोषणा की कि वेस्टइंडीज के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जेडन सेल्स चैंपियनशिप के पहले ब्लॉक में खेलेंगे। पुजारा ने ह्यूजेस के आने से पहले पहले सात चैंपियनशिप मैच खेले थे। ससेक्स के मुख्य कोच पॉल फारब्रेस ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर एक बयान में कहा, चेतेश्वर की जगह लेना कोई आसान काम नहीं है, लेकिन डैन ने शानदार तरीके से काम किया है और हम सभी खुश हैं कि वह अगले पूरे सत्र के लिए वापस आ जाएंगे। ह्यूजेस इस साल के ब्लास्ट के ग्रुप स्टेज में 43.07 की औसत से 560 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, जिसमें पाँच अर्द्धशतक और नाबाद 96 रन का उच्चतम स्कोर शामिल था। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने 4 सितंबर को घरेलू मैदान पर लंकाशायर लाइटनिंग के खिलाफ़ क्वार्टर फ़ाइनल में ससेक्स की मदद की। वह इस सीज़न में ससेक्स के अंतिम पाँच चैम्पियनशिप खेलों में भी शामिल होंगे।

आईसीसी की पहली स्वतंत्र महिला निदेशक इंदिरा नूयी का इस्तीफा

दुबई। इंदिरा नूयी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से अपना नाता तोड़ लिया है। पेप्सिको की पूर्व सीईओ, जो विश्व निकाय की पहली स्वतंत्र महिला निदेशक थीं, अब इस प्रतिष्ठित पद पर नहीं हैं। क्रिकबज के अनुसार, पिछले महीने कोलंबो में हुए वार्षिक सम्मेलन के साथ ही उनका कार्यकाल समाप्त हो गया। कोलंबो सम्मेलन के दौरान भारतीय मूल की अमेरिकी नूयी ने ऑनलाइन बैठक में भाग लिया और इस अवसर के लिए आईसीसी को धन्यवाद दिया। माना जा रहा है कि आईसीसी अब एक उपयुक्त उम्मीदवार की तलाश कर रहा है, जो स्वतंत्र निदेशक की परिभाषा में फिट हो सके। चर्चा है कि उनकी जगह एक ऑस्ट्रेलियाई महिला आएगी। चेन्नई में जन्मी अमेरिकी व्यवसायी नूयी जून 2018 में शुरुआत में दो साल के कार्यकाल के लिए आईसीसी में शामिल हुईं, आईसीसी संविधान के अनुसार, एक स्वतंत्र महिला निदेशक दो साल के तीन कार्यकाल के लिए पात्र है और जुलाई 2024 में, उन्होंने तीन कार्यकालों वाले पात्र छह साल पूरे कर लिए। नूयी को सबसे पहले शशांक मनोहर ने आईसीसी में नियुक्त किया था, जो आईसीसी के पूर्व अध्यक्ष और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष हैं। इसके बाद, उन्हें दो बार सेवा विस्तार मिला। आईसीसी में शामिल होने से पहले, नूयी ने 2006 से 2018 तक पेप्सिको के सीईओ के रूप में काम किया।महिला निदेशक के जाने के बाद, आईसीसी के शक्तिशाली बोर्ड में अब 16 सदस्य 12 पूर्ण सदस्य, तीन एसोसिएट नेशन निदेशक और अध्यक्ष हैं । हालांकि अब बोर्ड में 17 सदस्य होंगे। यह संख्या महत्वपूर्ण है क्योंकि निदेशक नए अध्यक्ष का चुनाव करेंगे, जिसके लिए आईसीसी ने अधिसूचना जारी कर दी है।

फगानिस्तान क्रिकेट टीम के सहायक कोच नियुक्त हुए आर. श्रीधर

नई दिल्ली। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने भारत के पूर्व फील्डिंग कोच आर. श्रीधर को सीनियर पुरुष टीम का सहायक कोच नियुक्त किया है। 54 वर्षीय श्रीधर न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए टीम से जुड़ेंगे। लंबी अवधि के अनुबंध पर बाद में विचार-विमर्श किया जा सकता है। श्रीधर के पास कोचिंग का अच्छा खासा अनुभव है और उन्होंने 2021 टी20 विश्व कप तक रवि शास्त्री के अधीन भारत के फील्डिंग कोच के रूप में काम किया है। 2008 से 2014 तक, पूर्व प्रथम श्रेणी बाएं हाथ के स्पिनर ने भारत की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में सहायक फील्डिंग और स्पिन गेंदबाजी कोच के रूप में भी काम किया और 2014 के भारत अंडर-19 विश्व कप टीम के सहायक कोच भी रहे। उन्होंने आईपीएल में किंग्स इलेवन पंजाब फ्रैंचाइज़ी के साथ कोचिंग का भी लुत्फ़ उठाया है। अफगानिस्तान टीम में श्रीधर मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट के अधीन काम करेंगे, क्योंकि टीम 9 सितंबर से नोएडा में न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच 18 सितंबर से शारजाह में खेले जाएंगे।

दिल्ली प्रीमियर लीग चैंपियनशिप

अर्पित राणा के साहसिक अर्धशतक से पुरानी दिल्ली 6 को मिली पहली जीत

नई दिल्ली। सलामी बल्लेबाज अर्पित राणा के शानदार अर्धशतक की बदौलत पुरानी दिल्ली 6 ने अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के अपने तीसरे मैच में वेस्ट दिल्ली लायंस को 7 विकेट से हरा दिया। यह जीत सलामी बल्लेबाज अर्पित राणा के शानदार अर्धशतक की बदौलत मिली, जिन्होंने 43 गेंदों पर 56 रनों की पारी खेली।

पुरानी दिल्ली 6 की मौजूदा सीजन में यह पहली जीत है। ललित यादव की अगुआई वाली टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में वेस्ट दिल्ली लायंस को 141/9 पर रोक दिया। पुरानी दिल्ली 6 की ओर से लक्ष्मण ने तीन और आयुष सिंह ने दो विकेट लिए। इसके बाद दिल्ली 6 ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया।

पुरानी दिल्ली 6 के मालिक आकाश नांगिया ने कहा, यह जीत हमारे खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ की कड़ी मेहनत और समर्पण का नतीजा है। अर्पित राणा की पारी में धैर्य और कौशल का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला और गेंदबाजों ने अपने अनुशासित प्रयासों से नींव रखी। हम इस प्रदर्शन को और बेहतर बनाने के लिए उत्सुक हैं।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्ट दिल्ली लायंस की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने तीन ओवर के अंदर तीन विकेट गंवा दिए। शिवम गुप्ता और कप्तान ऋतिक शौकीन ने वेस्ट दिल्ली लायंस को दो छोटी साझेदारियां बनाने में मदद की। शिवम आठवें ओवर में आउट हो गए, जबकि शौकीन 12वें ओवर में आउट हो गए, जिससे वेस्ट दिल्ली लायंस का स्कोर 65/5 हो गया। देव लाकड़ा ने कुछ शॉट खेले, लेकिन पारी को ज्यादा देर तक आगे नहीं बढ़ा पाए।

वेस्ट दिल्ली लायंस नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही और कोई बड़ी साझेदारी नहीं बना पाई। एकांश डोबाल और तिशांत डबला ने क्रमश:14 गेंदों पर 34 और 9 गेंदों पर 23 रन बनाकर वेस्ट दिल्ली लायंस को निर्धारित 20 ओवर में 141/9 तक पहुंचाया।

142 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पुरानी दिल्ली 6 ने 4 ओवर में 40 रन बनाकर सकारात्मक शुरुआत की। अर्पित राणा ने पुरानी दिल्ली 6 को जोरदार शुरुआत दी, लेकिन चौथे ओवर में मंजीत आउट हो गए। इसके बाद सनत सांगवान ने अर्पित राणा की मदद की और दोनों ने 40 रनों की साझेदारी की। 11वें ओवर में सांगवान आउट हो गए और पुरानी दिल्ली 6 का स्कोर 82/2 हो गया। 13वें ओवर में ललित यादव आउट हो गए, लेकिन अर्पित राणा ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी और स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाया। अंत में, पुरानी दिल्ली 6 ने 17 गेंदें शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया, वंश बेदी ने 18 गेंदों में 30 रन बनाए और दिल्ली 6 को जीत दिलाई। पुरानी दिल्ली का अगला मुकाबला शुक्रवार को सेंट्रल दिल्ली किंग्स से होगा।

टी20 विश्वकप का आयोजन स्थल बदलने से हमें कोई फर्क नहीं पड़ेगा : दीप्ति

मुंबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने कहा है कि टी20 विश्व कप के आयोजन स्थल में हुए बदलाव से हमें कोई फर्क नहीं पड़ेगा। दीप्ति ने कहा कि हमारा लक्ष्य पहले भी जीत दर्ज करना था और अब भी वही है। साथ ही कहा कि अचानक स्थल बदलने से हमारी तैयारियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। वहीं इससे पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश में खराब हालातों को देखते हुए विश्वकप संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में स्थानांतरित कर दिया है हालांकि मेजबान अब भी बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ही रहेगा। तीन से 20 अक्टूबर तक होने वाला यह टूर्नामेंट अब दुबई और शारजाह में होगा। हाल ही में इंग्लैंड में द हंड्रेड में बेहतरीन प्रदर्शन कर स्वदेश लौटी दीप्ति ने कहा, 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि विश्व कप कहां हो रहा है। मैं सिर्फ इस बात पर ध्यान केंद्रित करती हूं कि एक ऑलराउंडर के रूप में मैं टीम की सफलता में कैसे योगदान दे सकती हूं।' दीप्ति ने कहा, 'मैं बस अपना सब कुछ देना चाहती हूं और पिछले चार-पांच महीने हमारे लिए अच्छे रहे हैं। उम्मीद करते हैं कि अच्छा प्रदर्शन जारी रहेगा और इस बार हम ट्रॉफी के इंतजार को खत्म करेंगे। हमें थोड़ी जानकारी है कि यूएई के विकेट कैसे होते हैं।' इस ऑलराउंडर ने कहा, 'मैं इस समय अपने क्रिकेट का आनंद उठा रही हूं और इससे मुझे अपने ऊपर से दबाव हटाने में मदद मिली है। मैंने अन्य अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों से सीखा है कि जब आप खेल का आनंद लेना शुरू करते हैं, तो आप मैदान पर बेहतर प्रदर्शन करते हैं।' दीप्ति ने लंदन स्पिरिट वुमेन के लिए द हंड्रेड 2024 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और अपनी टीम को विजयी छक्का लगाकर उसका पहला खिताब दिलाया था।

अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप

साईनाथ पारधी ने जीता कांस्य, चार भारतीय महिला पहलवान फाइनल में

नई दिल्ली। साईनाथ पारधी ने बुधवार को जॉर्डन के अम्मान में अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारत के लिए दूसरा पदक जीता, जब उन्होंने पुरुषों के 51 किग्रा ग्रीको-रोमन वर्ग में कजाकिस्तान के येरासिल मुसन पर 3-1 से जीत के साथ कांस्य हासिल किया। पारधी ने रेपेचेज राउंड में यूएसए की मुनारेटो डोमेनिक माइकल को 7-1 से हराकर पदक मुकाबले में प्रवेश किया था।

चार भारतीय महिला पहलवान फाइनल में पहुंचीं

43 किग्रा वर्ग में अदिति कुमारी ने अलेक्जेंड्रा बेरेज़ोवस्काया को 8-2 से हराकर स्वर्ण पदक मैच में प्रवेश किया और अब उनका सामना ग्रीस की मारिया एल गिका से होगा। अदिति ने यूक्रेन की कैरोलिन शपरिक (10-0) और मैरिएम मोहम्मद अब्देलाल (4-2) के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए नॉकआउट में प्रवेश किया।

57 किग्रा के सेमीफाइनल में नेहा ने कजाकिस्तान की अन्ना स्ट्रेटन को 8-4 से हराया और अब उनका मुकाबला जापान की सो त्सुत्सुई से होगा। नेहा ने बिना कोई अंक गंवाए सेमीफाइनल में जगह बनाई क्योंकि उन्होंने ग्रीक प्रतिद्वंद्वी मैरी मनी को पिन किया और फिर जॉर्जिया की मिरांडा कपानाडेज़ के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता से जीत हासिल की।

65 किग्रा वर्ग में पुलकित ने मिस्र की मरम इब्राहिम एली पर 3-0 से जीत हासिल की और फाइनल में डारिया फ्रोलोवा से भिड़ेंगी। इससे पहले पुलकित ने चीन के लिंग कै को विन बाय फॉल के लिए हराया और उसके बाद जुलियाना कैटानज़ारो के खिलाफ 9-0 की शानदार जीत दर्ज की। इस बीच, 73 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर रही मानसी लाथेर ने यूक्रेन की क्रिस्टीना डेमचुक के खिलाफ 12-2 के स्कोर के साथ फॉल से जीत हासिल की और स्वर्ण पदक के लिए हन्ना पिरस्काया का सामना करेंगी।

मंगलवार रात ग्रीको-रोमन कांस्य पदक के प्ले-ऑफ में विश्व में दूसरे स्थान पर काबिज रौनक ने तुर्की के इमरुल्लाह कैपकन को 6-1 से आसानी से हराकर चैंपियनशिप में भारत के लिए पहला पदक जीता। सेमीफाइनल में वे हंगरी के रजत पदक विजेता ज़ोल्टन ज़ाको से हार गए थे। स्वर्ण पदक यूक्रेन के इवान यानकोवस्की ने जीता, जिन्होंने ज़ाको को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराया।

बीबीएल : ओली पोप ने एडिलेड स्ट्राइकर्स के साथ किया करार

एडिलेड। इंग्लैंड के मौजूदा कार्यवाहक टेस्ट कप्तान ओली पोप ने बिग बैश लीग (बीबीएल) के लिए एडिलेड स्ट्राइकर्स के साथ करार किया है। पोप, जो बेन स्टोक्स की हैमस्ट्रिंग चोट के कारण श्रीलंका के खिलाफ इंग्लैंड की कप्तानी कर रहे हैं, 18 दिसंबर को समाप्त होने वाले न्यूजीलैंड के टेस्ट दौरे के बाद स्ट्राइकर्स के लिए उपलब्ध होंगे, जिसका मतलब है कि वह कम से कम पहला मैच नहीं खेल पाएंगे।

पोप 28.77 की औसत और 132.82 की स्ट्राइक-रेट के साथ 1295 रन के अपने टी20 रिकॉर्ड को आगे बढ़ाना चाहेंगे। हाल ही में लंदन स्पिरिट के लिए हंड्रेड में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था, जहां उन्होंने पांच पारियों में 35 रन बनाए थे। उन्हें एशेज के प्रतिद्वंद्वी ट्रैविस हेड और एलेक्स कैरी के साथ मिलकर खेलने का मौका मिलेगा, जिन्होंने चार साल का नया करार किया है, जब वे भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद बीबीएल के लिए थोड़े समय के लिए उपलब्ध होंगे। स्ट्राइकर्स के नए मुख्य कोच टिम पेन ने कहा, ओली पोप एक असाधारण प्रतिभा है, जिसका उच्चतम स्तर पर सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है। उनकी गतिशील बल्लेबाजी शैली और विकेट-कीपिंग क्षमताएं हमारी टीम के लिए एक शानदार अतिरिक्त हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में पुष्टि की गई थी कि स्ट्राइकर्स ने ऑलराउंडर जेमी ओवरटन को अपने प्री-ड्राफ्ट साइनिंग के रूप में नहीं लिया है, लेकिन यदि वे पिछले सीजन में बहुत बड़ा प्रभाव डालने वाले इंग्लैंड के ऑलराउंडर को वापस लाना चाहते हैं, तो वे ड्राफ्ट के दौरान ही अपने रिटेंशन विकल्प का उपयोग कर सकेंगे। एएपी ने बताया कि राशिद खान ने ड्राफ्ट के लिए नामांकन नहीं किया है, जिसका मतलब है कि पिछले साल चोट के कारण बाहर होने के बाद वह लगातार दूसरे सीजन में बीबीएल से बाहर रहेंगे। अफगानिस्तान में बीबीएल के पहले भाग के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट निर्धारित है, फिर राशिद ने एसए20 के लिए हस्ताक्षर किए हैं। बीबीएल ड्राफ्ट 1 सितंबर को होगा।

CEAT क्रिकेट रेटिंग पुरस्कार से सम्मानित रोहित शर्मा, विराट कोहली ने जीता 'मेन्स ओडीआई बैटर ऑफ द ईयर का अवार्ड

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा, बल्लेबाज विराट कोहली के अलावा पूर्व कोच राहुल द्रविड़ और तेज गेंदबाज मो शमी को सम्मानित किया गया। रोहित को यहां आयोजित इस समारोह में 'सिएट क्रिकेट रेटिंग अवार्ड्स 2023-24 का 'मेन्स इंटरनेशनल क्रिकेटर ऑफ द ईयर का अवार्ड मिला है। वहीं पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को 'मेन्स ओडीआई बैटर ऑफ द ईयर का अवार्ड मिला। इसके अलावा 2023 के क्रिकेट विश्वकप में सबसे अधिक विकेट लेने वाले तेज मोहम्मद शमी को भी 'ओडीआई बॉलर ऑफ द ईयर का पुरस्कार मिला। इसके अलावा यशस्वी जायसवाल को 'मेन्स टेस्ट बैटर ऑफ द ईयर और आर अश्विन को 'मेन्स टेस्ट बॉलर ऑफ द ईयर का अवार्ड दिया गया। इसके अलावा खेल प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए बीसीसीआई सचिव जय शाह को भी इस दौरान सम्मानित किया गया।

विराट के स्वदेश लौटने की अटकलें

लंदन। भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली आजकल अपनी पत्नी बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा और अपने बच्चों के साथ लंदन में हैं। बेटे अकाय के जन्म के बाद से ही उनका परिवार यहां रह रहा है। हाल ही में ये अटकलें लगायी जा रहीं थीं कि अब वह स्थायी रुप से यही रह सकते हैं पर अब अनुष्का ने भारत लौटने के संकेत दिये हैं। इससे प्रशंसक उत्साहित हैं। अनुष्का ने एक विज्ञापन को लेकर सोशल मीडिया में लिखा, जल्द मिलती हूं।

मणिपुर के डीजीपी ने पेरिस ओलंपियन मीराबाई चानू, नीलकांत शर्मा को किया सम्मानित

इंफाल। मणिपुर के डीजीपी राजीव सिंह ने अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर हाल ही में संपन्न पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाले एथलीट मीराबाई चानू और शांगलाकपम नीलकांत शर्मा को पुलिस मुख्यालय, इंफाल में सम्मानित किया। पेरिस ओलंपिक में भारत का अभियान पांच कांस्य और एक रजत सहित छह पदकों के साथ समाप्त हुआ।

मणिपुर पुलिस ने एक्स पर सम्मान समारोह की झलकियाँ साझा कीं और लिखा, मणिपुर के 2024 पेरिस ओलंपियन अर्थात् सुश्री मीराबाई चानू और शांगलाकपम नीलकांत शर्मा को पुलिस मुख्यालय, इंफाल में अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ डीजीपी मणिपुर द्वारा सम्मानित किया गया। मणिपुर पुलिस को उनकी उपलब्धियों और राष्ट्र के प्रति योगदान पर गर्व है और उनके भविष्य के प्रयासों में सभी प्रोत्साहन और समर्थन का आश्वासन दिया गया है। चानू और नीलकांत शर्मा मणिपुर से हैं। चानू मामूली अंतर से पोडियम स्थान से चूक गईं और महिलाओं की 49 किग्रा भारोत्तोलन स्पर्धा में कुल 199 किग्रा के साथ चौथा स्थान हासिल किया।

इस बीच, नीलकंठ शर्मा को कृष्ण बहादुर पाठक और जुगराज सिंह के साथ भारत की पुरुष हॉकी टीम की वैकल्पिक खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया। हरमनप्रीत सिंह की अगुआई में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने स्पेन पर 2-1 की जीत के बाद ओलंपिक में 52 वर्षों में पहली बार लगातार दूसरी बार कांस्य पदक जीता।

निशानेबाजी में मनु भाकर ने इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करा लिया। वह स्वतंत्रता के बाद के युग में ओलंपिक के एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बनीं। इससे पहले यह गौरव पेरिस 1900 खेलों में नॉर्मन प्रिचर्ड के नाम था।

महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में मनु ने कांस्य पदक जीता और इस स्पर्धा में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बन गईं। सरबजोत सिंह के साथ मनु ने मिश्रित टीम 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में अपना दूसरा कांस्य हासिल किया।

पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल शूटिंग स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहकर वह पदकों की हैट्रिक बनाने से चूक गईं। स्वप्निल कुसाले ने पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर पोडियम पर खड़े होकर भारत की पदक तालिका में इजाफा किया।

भारत के भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा टोक्यो में अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने में विफल रहे, लेकिन 89.45 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक अपने नाम किया। पहलवान अमन सेहरावत, जिन्होंने ओलंपिक में पदार्पण किया, ने प्यूर्टो रिको के डेरियन क्रूज़ पर 13-5 की जीत के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

केरल सरकार श्रीजेश को 2 करोड़ रुपए का इनाम देगी

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार ने घोषणा की है कि भारतीय हॉकी टीम के स्टार गोलकीपर पीआर श्रीजेश को दो करोड़ रुपये का इनाम दिया जाएगा। श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम को कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। श्रीजेश ने पूरे टूर्नामेंट में एक दीवार की तरह खड़े होकर गोल होने से रोके थे। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में श्रीजेश के खेल में योगदान को देखते हुए ये इनाम दिये जाने पर फैसला लिया गया। इसमें कहा गया, 'पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य रहे श्रीजेश को दो करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

मोशन सिकनेस से छुटकारा पाने के घरेलू उपाय

मोशन सिकनेस कोई बीमारी नहीं है बल्कि शरीर के संतुलन को महसूस करने से जुड़ी समस्या है। वह स्थिति है जब हमारे दिमाग को भीतरी कान, आंख और त्वचा से अलग-अलग सिग्नल मिलते हैं यह सेंट्रल नर्वस सिस्टम को दुविधा में डाल देता है, जिससे सिर चकराने लगता है और उबकाई आती है, यानी मोशन सिकनेस हावी हो जाती है। मसलन, कार में ट्रैवलिंग के वक्त आपके कान रफ्तार का संदेश दें और आंखें किताब पढ़ने का। हालांकि कुछ घरेलू उपाय की मदद से इसे ठीक किया जा सकता है।

किसे होता है?

हम में से तकरीबन हर कोई जीवन में कभी न कभी मोशन सिकनेस को महसूस करता ही है। यह समस्या छोटे-बच्चों या बढ़ती उम्र के लोगों को ज्यादा होती है। हालांकि भीतरी कान की संवेदना कई मामलों में अनुवांशिक होती है, इसलिए कुछ परिवारों को मोशन सिकनेस ज्यादा परेशान करता है।

मोशन सिकनेस की पहचान

मोशन सिकनेस होने पर उबकाई आ सकती है या फिर अपच, ज्याद पसीना आना, असहज महसूस होना, चेहरा पीला पड़ना और सिर चकराना आदि हो सकते हैं। यह समस्या सफर की शुरुआत से लेकर कुछ घंटों तक रहती है। कुछ मामलों में यह 2 से 4 दिन तक भी रह सकती है।

क्या है इसका इलाज

आमतौर पर मोशन सिकनेस के लिए एंटी हिस्टामाइन दवाइयां दी जाती हैं, जिससे भीतरी कान की संवेदना कम हो जाती है। यह दवाइयां तभी काम करती हैं, जब इसे मोशन सिकनेस शुरू होने से पहले यानी सफर से पहले ले लिया जाए।

अदरक

कहीं सफर करने से पहले एक कप अदरक की चाय पीने से मोशन सिकनेस के कारण आने वाली उल्टी नहीं होती हैं। साथ ही मतली होने पर भी एक कप अदरक चाय से आराम मिलता है।

सेब साइडर सिरका

सेब साइडर सिरका शरीर पर एक क्षारीय और पीएच संतुलन प्रभाव डालता है। मोशन सिकनेस होने पर एक कप गुनगुने पानी में एत चम्मच सेब साइडर सिरका और एक चम्मच शहद मिलाकर पीने से, मोशन सिकनेस ठीक हो जाती है।

पेपरमिंट

पेपरमिंट मोशन सिकनेस की समस्या से तुरंत निजात दिलाता है। पुदीना में मौजूद मेन्थॉल पेट की मांसपेशियों को शांत करता है और मतली को कम करने तथा मोशन सिकनेस की समस्या को दूर करने में मदद करता है।

नींबू

ताजे नींबू या ताजे नीबू के रस में साइट्रिक एसिड होता है, जो यात्रा के दौरान होने वाली उल्टी, मोशन शिकनेस और नाजुक पेट को ठीक कर सकता है। यहां तक की नींबू का खशबू भी दिमाग की मदद से इस समस्या में राहत दिला सकती है।

ग्रीन एप्पल

ग्रीन एप्पल (हरे सेब) में मौजूद पेक्टिन पेट में मौजूद एसिड को बेअसर करने में मदद करता है और इसके कारण हो रही मोशन सिकनेस की समस्या से राहत दिलाता है। इसके अलावा हरे सेब में पाई जाने वाली प्राकृतिक शर्करा पेट को ठईक रखने में मदद करती है।

सौल्ट क्रैकर्स

क्रैकर्स आसानी से पचने वाला नाश्ता होते हैं और पेट के लिए भी बहुत ही अच्छे होते हैं। नमकीन और सुगंधित और बिना मीठे वाले ये क्रैकर्स अतिरिक्त एसिड को सोख लेते हैं और मोशन सिकनेस को रोकने के लिए इस्तेमाल किए जा सकते हैं।

समझें चूड़ियों के संकेत,

वो शुभ हैं तो अशुभ भी

भारत में महिलाओं द्वारा चूड़ियां पहनने की परंपरा काफी पुरानी है। आज के समय में भी इनका बहुत ज्यादा महत्व है और एक महिला के जन्म से लेकर मृत्यु तक इनकी भूमिका रहती है। कुछ धर्मों में तो बच्ची के पैदा होने के साथ ही उसे शगुन के तौर पर चांदी के कंगन पहना दिए जाते हैं। चूड़ियां कई प्रकार की होती हैं और हर एक का एक अपना महत्व है। सबसे पहले चूड़ियों का संदर्भ शादीशुदा स्त्रियों से जोड़कर देखा जाता है। एक विवाहित स्त्री के लिए चूड़ियां केवल श्रृंगार की वस्तु या फिर आभूषण नहीं हैं, बल्कि इसके पीछे कई सारे कारण हैं। शादी के बाद स्त्रियों को सोने से बने कंगनों से अधिक कांच की चू?यां पहनने के लिए कहा जाता है। इसके पीछे मान्यता है कि कांच की चूड़ियां पहनने से पति और बेटे का स्वास्थ्य बेहतर रहता है। अगर हम इसके वैज्ञानिक कारणों के बारे में जाने तो चूड़ियां पहनने से महिला के आसपास के वातावरण और स्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड़ता है। चूड़ियां वातावरण में से नकारात्मक ऊर्जा को अपनी ओर खींचती हैं इसके साथ ही यह स्त्री के विभिन्न शारीरिक अंगों पर एक अलग सा दबाव बनती है जिससे उनका स्वास्थ्य बेहतर रहता है।

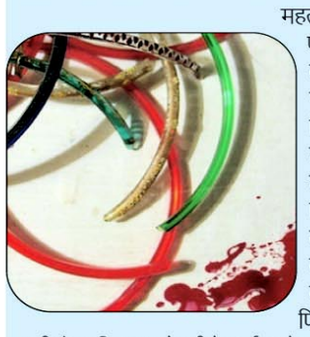

रहे सावधान ये नकारात्मक भी साबित हो सकती है

आपने चूड़ियों के फायदों के बारे में तो जान लिया लेकिन इसके वितरीत प्रभाव के बारे में जानना भी जरूरी है। ऐसा तब होता है जब चूड़ियां टूटती हैं या फिर उनमें दरार आ जाती है। ऐसी मान्यता है कि चूड़ियों का टूटना उस स्त्री या उससे जुड़े लोगों के लिए एक अशुभ संकेत लेकर आता है। चूड़ियों के टूटने के साथ उनमें दरार आ जाना ही अशुभ माना जाता है। ऐसा होने पर स्त्री को चूड़ियां उतार देने की सलाह दी जाती है क्यों कि ऐसा माना जाता है कि दरार आने पर भी अगर चूड़ियों को उतारा न जाए तो महिला के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

चार्जिंग के समय हो जाता है फोन गरम तो बड़े काम के हैं ये टिप्स

आजकल स्मार्टफोन लोगों की अहम जरूरतों में से एक हो गया है। स्मार्टफोन के बिना न लोगों की सुबह होती है, न रात। कुछ लोगों की ऐसी भी आदत होती है की वो अपने स्मार्टफोन को हमेशा कंप्यूटर से कनेक्ट कर के रखते हैं। ऐसा करने से आपके समर्टफोन में वायरस आने की आशंका और बढ़ जाती है। इसके साथ ही आपके स्मार्टफोन की बैटरी भी खराब होती है।

ऐसी ही कई बातें हैं जिनपर स्मार्टफोन की सुरक्षा और बेहतर परफॉरमेंस के लिए हमें ध्यान देना चाहिए। जैसे कि स्मार्टफोन को चार्ज होने के बाद चार्जिंग से तुरंत हटा लेना चाहिए। ऐसा न करने पर फोन में जल्द ही हीटिंग से सम्बंधित परेशानियां आने लगती हैं।

अगर आपका स्मार्टफोन भी चार्ज होते वक्त गर्म हो जाता है, तो इसका समाधना हम इस पोस्ट में देने वाले हैं। ऐसे कई तरीकें हैं जिससे स्मार्टफोन को तेजी से चार्ज किया जा सकता है। यह तरीके आपके स्मार्टफोन को किसी भी तरीके से नुकसान नहीं पहुंचाएंगे और फोन को हीट भी नहीं होने देंगे।

1. ओरिजिनल चार्जर- अपने स्मार्टफोन को उसी चार्जर से चार्ज करें जो फोन के साथ आता है। अगर वो चार्जर खराब हो गया है, तो किसी डुप्लीकेट चार्जर का इस्तेमाल करने के बजाय ओरिजिनल चार्जर ही खरीदें। इसी के साथ यूनिवर्सल चार्जर से भी मोबाइल चार्ज ना करें। कई बार हम किसी भी चार्जर से अपना मोबाइल चार्ज करने लगते हैं, यह गलत है और ऐसा करने से बचें।

2. फोन का कवर हटा दें- फोन का कवर हटाने से भी हीटिंग की परेशानी से बचा जा सकता है। इसका मतलब की आपका स्मार्टफोन जल्दी भी चार्ज होगा और चार्जिंग के समय ज्यादा गर्म भी नहीं होगा।

3. एयरप्लेन मोड- अगर आप अपने स्मार्टफोन का प्रयोग नहीं कर रहे हैं, तो कोशिश करें की उसे एयरप्लेन मोड पर रखें। एयरप्लेन मोड पर फोन जल्दी भी चार्ज होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि एयरप्लेन मोड पर आपका डाटा और कॉल्स काम नहीं करती। इसी के साथ फोन को ऑफ कर के चार्ज करने से भी फोन बहुत जल्दी चार्ज हो जाता है।

4. पावर सेविंग मोड- अगर आप अपने मोबाइल को ऑफ नहीं करना चाहते तो उसे पावर सेविंग मोड पर डाल दें। पावर सेविंग मोड फीचर को इनेबल करने से ऑपरेटिंग सिस्टम की सभी प्रक्रियाएं काम करना बंद कर देंगी। पावर टर्न ऑन करने पर आपको कोई नोटिफिकेशन भी नहीं मिलेगी।

5. कुछ फीचर्स को करें बंद- जब भी आप अपना मोबाइल चार्ज करें, तो ऐसे सभी फीचर्स को बंद कर दें जो ज्यादा बैटरी खपत करती है। इससे भी हीटिंग की समस्या से निजात मिलेगा।

6. बैटरी सेविंग मोड को रखें ऑन- स्मार्टफोन को चार्ज करते समय हमेशा यह बात ध्यान रखें की बैटरी सेविंग मोड को ऑन रखें। इससे आपके फोन की बैटरी लाइफ बढ़ेगी।

7. SB पोर्ट चार्जिंग का ना करें प्रयोग- हम अपना स्मार्टफोन चार्ज करने के लिए कभी-कभी यूएसबी पोर्ट का इस्तेमाल कर लेते हैं। इससे स्मार्टफोन की चार्जिंग स्पीड पर बुरा असर पड़ता है।

8. सही टेम्परेचर पर करें चार्ज- सही टेम्परेचर से फोन की बैटरी चार्जिंग कैपेसिटी में कमी आती है। ऐसी स्थिति में बैटरी कंजम्पशन ज्यादा होता है। अगर जरुरी ना हो तो फोन के गर्म होने पर बैटरी चार्ज ना करें, इससे फोन की बैटरी लाइफ बढ़ेगी।

बच्चे की शैतानियां करें हदें पार तो ऐसे करें डील

बच्चे शैतान नहीं होते हैं, दरअसल बचपन में उनका दिमाग व्यवस्थित नहीं होता है और वो अपने आस पास के तौर तरीकों से वाकिफ नहीं होते। परिणामस्वरुप वो ऐसी हरकते करते हैं जो उन्हें समझ नहीं आती और वो आपको गुस्सा दिला जाती हैं। बच्चों की शैतानी की हद से पार होने लगे तो ट्राय कीजिए ये टिप्स..

1) शैतानियों पर गुस्सा करते हुए भी गुस्से पर कंट्रोल करना मुश्किल होता है। ये जरूरी है क्योंकि आपकी एक उंची आवाज और आपकी डांट उन्हें अंदर से डरा कर रख देती है। इसके बदले बेहतर ये होगा कि आप एक गहरी सांस लें और कूल माइंड से इससे डील करने की कोशिश करें।

2) अक्सर पैरेंट्स उन्हें बिना कुछ सोचे समझे थप्पड़ लगा देते हैं जो तार्किक नहीं है। ऐसा करने से आप उस समय तो बच्चे को धमका कर अपने कंट्रोल में कर सकते हैं लेकिन इसका लॉन्गटर्म प्रभाव उल्टा पड़ता है, और आगे के लिए अच्छा नहीं होता।

3) बच्चे स्पॉन्ज की तरह कोमल होते हैं। वे सभी कुछ अपने अंदर एब्जॉर्ब कर लेते हैं और वैसे ही बिहेवियर उनके व्यवहार में भी रिफ्लैक्ट होने लगता है। वे आपका गुस्सा, आपका स्ट्रेस और टेम्पर सभी को एब्जॉर्ब करके वैसा ही रिएक्ट करना शुरु कर देते हैं। इसलिए उनके सामने सोच समझ कर अपनी फीलींग्स को जाहिर करें।

बच्चों को उनके सवाल पूछने के आदत से कभी रोकें नहीं। उन्हें घर पर होने वाले सेविंग और खर्च का पूरा नॉलेज होना चाहिए। उन्हे उनके अपने बजट को लेकर भी सजग और जागरुक होने को कहें। दस वर्ष पूरा कर लेने पर धीरे धीरे उनसे ये बातें शेयर करनी शुरु कर देनी चाहिए।

4) बच्चों पर कभी अपनी मर्जी थोपें नहीं। अगर आप हमेशा अपनी मर्जी के मुताबिक चीजें सोचते रहेंगें तो इसका उन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

5) बहुत सारे पैरेंट्स की ये चिंता रहती है कि वे अपने बच्चों के साथ स्ट्रिक्ट रुप से पेश आते हैं तो वे उन्हें पसंद नहीं करते हैं। लेकिन इसमें चिंता करने वाली कोई बात नहीं है। आपको कभी-कभी उनके साथ अनुशासन बना कर चलना ही पड़ेगा। ऐसे ही वे सही और गलत के बीच फर्क को समझ पायेंगे। याद रखें कि आप उनके पेरेंट्स हैं, उनके दोस्त नहीं। इस बात से आहत ना हों कि वे आप पर कमेंट करते हैं कि आप कूल नहीं हो या आप नाइस नहीं हो।

वाटर डिटॉक्स रेसिपी से दुरुस्त करें लिवर साफ़

अगर आपके लिवर में कोई समस्या हो गई है और आपका इम्युन सिस्टम खराब हो गया है तो रोज सुबह इन डिटॉक्स वाटर में से कोई एक ड्रिंक पिएं। आराम मिलेगा।

लिवर की समस्या

शरीर का सबसे जरूरी हिस्सा है - लिवर। यह पेट के दाईं ओर नीचे की तरफ होता है। शरीर की अधिकतर बीमारियां यही नियंत्रित करता है। इस के बीमार पड़ने पर शरीर पूरी तरह से क्षमतावीहिन हो जाता है। इसलिए लिवर डैमेज होने पर इलाज कराना जरूरी होता है। नहीं तो यह गंभीर समस्या बन जाती है। इसलिए धूमपान और नशा करने से दूर रहना चाहिए। लेकिन कई बार नशा ना करने के बावजूद भी लीवर खराब हो जाता है। ऐसा गलत खानपान की वजह से होता है। ऐसे में इन पेय पदार्थों में से किसी एक का सेवन करें और लीवर को साफ व हेल्दी रखें।

नैचुरल बैली स्लीमिंग डिटॉक्स वाटर

ये आपके शरीर में चर्बी इकट्ठा होने नहीं देगा और आपके बैली को छरहरा रखने में मदद करेगा। साथ ही इससे आपका शरीर पूरे दिन डिहाइड्रेट रहेगा। इसे बनाने के लिए एक ग्लास को पानी से भरे और उसमें खीरा, नींबू, संतरा और पुदीने के पत्ते को डालकर फ्रिज में रख दें। एक घंटे बाद इस इस पानी को पिएं। खीरे में सिट्रोलाइन एमिनो एसिड होता है जो आपके लीवर में से अमोनिया को बाहर निकालता है।

एप्पल सिनेमन डिटॉक्स वाटर

एक रोज सेब खाओ और डॉक्टर को दूर भगाओ!! ये वाक्य शत-प्रतिशत सत्य है और आपके लिवर को भी सेब पसंद है। सेब में मेलिक एसिड होता है जो लिवर में से गंदगी को साफ करने में कारगर होता है। मेलिक एसिड लिवर के फंक्शन और स्मूथ बनाने में भी मदद करता है। एप्पल सिनेमन डिटॉक्स वाटर लिवर के साथ शरीर को भी साफ और हाइड्रेट रखने में मदद करता है। एक कंटेनर में एप्पल का जूस निकाल लें और उसमें दालचीनी के टुकड़े डालें। अब इसे फ्रिज या ठंडी जगह में पंद्रह से तीस मिनट के लिए रख दें।

ग्रेपफ्रूट वाटर

ग्रेपफ्रूट में प्रचूर मात्रा में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो लिवर को साफ कर उसे बूस्ट करने में मदद करता है और इसकी सबसे अच्छी बात है कि इसे बनाना भी बहुत आसान है। इसे बनाने के लिए आपको केवल एक बड़ा सा ग्रेपफ्रूट लीजिए और उसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लीजिए और मिक्सी में पीस लीजिए। अब रोज सुबह आधा ग्लास ग्रेपफ्रूट जूस लें और उसमें आधा ग्लास पानी मिला दीजिए। अब इस ग्रेपफ्रूट वाटर को पी लीजिए।

जिंजर साइएन लेमन डिटॉक्स वाटर

अदरक की गिनती सबसे हेल्दी रेसिपी में होती है। ये पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है और शरीर में गैस बनने नहीं देता। आप अदरक को खा भी सकते हैं और अदरक को पानी में गर्म करके पी भी सकते हैं। खैर यहां हम जिंजर साइएन लेमन डिटॉक्स वाटर की बात कर रहे हैं जो लिवर को साफ करता है। ये बनाने के लिए एक बर्तन में पानी गर्म करें और उसमें चार नींबू के रस मिलाएं। अब इसमें अदरक को कद्दूकस करके डालें। फिर दो चुटकी लाल मिर्च मिलाएं। अब 15 मिनट इसे पकने दें। फिर हल्का ठंडा होने पर इसे पी लें। इससे आपका इम्युन सिस्टम भी बूस्ट होगा।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**